www.anokhateer.com
anokhateer@gmail.com
पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

Epaper

दैनिक अनोखा तीर

हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित

निशाने पर हर खबर

29 मई 2026
हरदा, शुक्रवार
वर्ष-15, अंक - 352, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष - 13
विक्रम संवत् 2083

नहीं रहे गजल के उस्ताद डॉ. बशीर बद्र

- 91 साल की उम्र में ली अंतिम सांस
- लंबे समय से याददास्त से पीड़ित थे

अनोखा तीर, भोपाल।

उर्दू अदब की दुनिया गुरुवार को उस वक्त गहरे सन्नाटे में डूब गई, जब मोहब्बत, तन्हाई और जिंदगी को अपनी गजलों में नई आवाज देने वाले मशहूर शायर पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र ने हमेशा के लिए दुनिया को अलविदा कह दिया। बकरीद के दिन 91 वर्ष की उम्र में उन्होंने भोपाल के ईदगाह हिल्स स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से साहित्य जगत, कला प्रेमियों और देश-दुनिया में फैले लाखों प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई। डॉ. बशीर बद्र लंबे समय से डिमेंशिया (स्मृतिलोप) बीमारियों से जूझ रहे थे।

अनेक गजल संग्रह प्रकाशित

डॉ. बशीर बद्र के हिंदी में एक दर्जन से अधिक गजल संग्रह प्रकाशित हुए, जबकि उर्दू में उनके सात चर्चित संग्रह साहित्य जगत की अमूल्य धरोहर माने जाते हैं। उनकी कई मशहूर पंक्तियां आज भी लोगों की यादों में जिंदा हैं और नई पीढ़ी के शायरों के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। उनके निधन पर देशभर के साहित्यकारों, शायरों और सांस्कृतिक जगत से जुड़े लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। परिवार में उनके बेटे तैयब और पत्नी डॉ. राहत हैं।

4 किशोर डूबे, 2 के शव बरामद

बर्थडे मनाने गए 2 दोस्त तालाब में समाए; वॉटरफॉल में रील बनाते 2 किशोर भी डूबे

अनोखा तीर, छिंदवाड़ा।

छिंदवाड़ा जिले में बुधवार को दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए जल हादसों में चार किशोर पानी में डूब गए। दोनों घटनाओं में अब तक एक-एक किशोर का शव बरामद कर लिया गया है। लापता दो अन्य किशोरों की तलाश के लिए पुलिस और प्रशासन की टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। पहली घटना चौरई थाना क्षेत्र के बेलखेड़ा स्थित घोघरा वॉटरफॉल की है, जहां घूमने गए दो किशोर गहरे पानी में डूब गए। पुलिस के अनुसार, डूबने वालों की पहचान छिंदवाड़ा निवासी 14 वर्षीय गौरव डेहरिया और 17 वर्षीय विनायक गुप्ता के रूप में हुई है। ये दोनों किशोर अपनी बहनों के साथ वॉटरफॉल घूमने पहुंचे थे। मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों पानी के पास रील बना रहे थे, तभी अचानक गहराई में चले गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद चौरई पुलिस, प्रशासन और स्थानीय गोताखोरों की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, जिसमें से एक का शव निकाल लिया गया है और दूसरे की तलाश जारी है।

खदान के तालाब में नहाते समय डूबे दो किशोर

दूसरी घटना जुन्नारदेव थाना क्षेत्र की डूंगरिया पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम कोठीदेव 11/12 नंबर ओपनकास्ट खदान के पास स्थित तालाब में हुई। यहां 7-8 युवकों का एक समूह जन्मदिन पार्टी मनाने पहुंचा था, जिनमें से कुछ तालाब में नहाने उतरे। नहाने के दौरान करीब 16 और 17 वर्ष के दो किशोर गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही जुन्नारदेव थाना प्रभारी जे. मसराम, उप थाना प्रभारी मुकेश डोंगरे और चौकी प्रभारी अंजना मरावी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पानी की अधिक गहराई और रात के अंधेरे के कारण बुधवार शाम को रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा था। गुरुवार सुबह दोबारा सर्च अभियान शुरू कर एक किशोर का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दूसरे की तलाश की जा रही है। हादसे के बाद दोनों घटनाओं के पीड़ित परिवारों में गहरा शोक है।

जल संरक्षण को बनायें जन आंदोलन : सीएम यादव

- जल संरक्षण अभियान को जनभागीदारी से मिला नया आयाम
- मुख्यमंत्री ने किया प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण

अनोखा तीर, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सभी से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जल बचा कर भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत कबीरदास एवं संत रहीम के दोहों का उल्लेख करते हुए जल की महत्ता को सरल एवं प्रेरणादायी ढंग से समझाया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में जल को जीवन, संवेदना और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। उन्होंने ग्रामीणों से वर्षा जल संरक्षण, तालाबों और कुंडों के संरक्षण तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य शासन जल संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और जल गंगा संवर्धन अभियान से पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनसहभागिता से ही जल संरक्षण के प्रयास सफल होंगे और आने वाले समय में प्रदेश जल समृद्धि की दिशा में नई पहचान बनाएगा।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री गोलू शुक्ला, श्री गौरव रणदिवे, श्री श्रवण सिंह चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। साथ ही पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, आईजी श्री अनुराग, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, डीआईजी श्री मनोज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री राजेंद्र वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिपं सीईओ के आदेश को जनपद सीईओ ने पलटा!

अनोखा तीर, भोपाल। भोपाल की ग्राम पंचायत अर्रावती में सरपंच पद के प्रभार का मामला पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के पास पहुंच गया है। अर्रावती की उप सरपंच सविता चौहान ने मंत्री पटेल से शिकायत की है। मामले में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने जांच के आदेश दिए हैं।

बता दें कि 4 अगस्त-25 में अर्रावती के तत्कालीन सरपंच गंगाराम अहिरवार के विरुद्ध बैरसिया थाने में अपराधिक मामला दर्ज हुआ था। इसके बाद गंगाराम को पद से हटा दिया गया था। नियमानुसार यह प्रभार उप सरपंच सविता चौहान को देना था, लेकिन बैरसिया जनपद सीईओ देवेशकुमार सराठे ने शुरुआत में प्रभार नहीं दिया।

मामला सामने आने के बाद 14 अगस्त-25 को जिला पंचायत सीईओ तिवारी ने जनपद सीईओ सराठे को मप्र पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के तहत सविता चौहान को सरपंच का प्रभार सौंपने के आदेश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने फिर लगाई मप्र सरकार को फटकार

कहा- बिना नंबर वाहनों से धड़ल्ले से हो रहा रेत परिवहन; 6 महीने में सीसीटीवी लगाने के निर्देश

अनोखा तीर, भोपाल/मुरैना।

राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य में अवैध रेत खनन और बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों के संचालन पर सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार समेत राजस्थान और उत्तरप्रदेश सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए राज्यों की कार्रवाई अभी भी नाकाफी है और बिना नंबर प्लेट वाले वाहन खुलेआम रेत परिवहन कर रहे हैं। कोर्ट ने 6 महीने के भीतर निगरानी तंत्र विकसित करने, सीसीटीवी कैमरे लगाने और अवैध खनन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की जब्ती के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने 20 मई की सुनवाई के बाद 26 मई को विस्तृत आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन केवल कानून उल्लंघन का मामला नहीं, बल्कि पर्यावरणीय विनाश, वन्यजीवों के आवास खत्म होने और संगठित अपराध का विषय बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि कई महत्वपूर्ण फैसले और कार्रवाई तब शुरू हुई, जब वरिष्ठ अधिकारियों की व्यक्तिगत पेशी तय की गई। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन जैसे गंभीर मामलों में प्रशासनिक तंत्र की यह सुस्ती चिंताजनक है।

कोर्ट बोला- सिर्फ जुर्माना लेकर वाहन छोड़ना पर्याप्त नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मध्यप्रदेश में इस साल के शुरुआती 5 महीनों में 250 से ज्यादा वाहन बिना वैध रजिस्ट्रेशन के पकड़े गए, लेकिन केवल 5 हजार रुपए तक का जुर्माना लेकर उन्हें छोड़ दिया गया। कोर्ट ने कहा कि इससे अवैध खनन नेटवर्क पर कोई असर नहीं पड़ता और अपराधी इसे ऑपरेशन कॉस्ट की तरह लेते हैं।

चंबल नदी में कचरा फेंकने पर भी सख्ती

कोर्ट ने पाया कि एनएच-44 पुल से बड़ी मात्रा में कचरा चंबल नदी में फेंका जा रहा है, जिससे घड़ियाल, मगरमच्छ और अन्य जलीय जीव प्रभावित हो रहे हैं। कोर्ट ने पुल पर सुरक्षात्मक जाली लगाने, सभी गैप बंद करने और नदी में कचरा फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने पर जोर- कोर्ट ने राज्यों से कहा कि अवैध खनन में स्थानीय युवाओं की भागीदारी कम करने के लिए उन्हें वैकल्पिक रोजगार और कौशल विकास योजनाओं से जोड़ा जाए। कोर्ट ने इको-टूरिज्म, संरक्षण और पर्यावरणीय गतिविधियों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया।

हर दो महीने में देनी होगी रिपोर्ट- सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के मुख्य सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे हर दो महीने में समीक्षा बैठक करें और कोर्ट में प्रगति रिपोर्ट पेश करें। साथ ही जल शक्ति मंत्रालय और केंद्रीय जल आयोग को भी पक्षकार बनाते हुए चंबल नदी के पर्यावरणीय प्रवाह बनाए रखने पर जवाब मांगा गया है।

- सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर फोरलेन बनेगा मध्य भारत का नया कॉरिडोर

एमपी और महाराष्ट्र के बीच बढ़ेगी हाई स्पीड कनेक्टिविटी

अनोखा तीर, भोपाल।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच संपर्क पहले की तुलना में आधुनिक और सुरक्षित होगी। इस दिशा में सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर फोरलेन परियोजना महत्वपूर्ण साबित होगी। एनएचआई की तरफ से एनएच-547 और एनएच-347 के अंतर्गत प्रास्तावित परियोजना के लिए डीपीआर का कार्य प्रगति पर है।

158 किमी लंबा है यह कॉरिडोर- करीब 158 किलोमीटर लंबे इस प्रस्तावित कॉरिडोर का उद्देश्य महाराष्ट्र के सावनेर-नागपुर औद्योगिक क्षेत्र को मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा एवं सिवनी के माध्यम से मध्य और उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश से बेहतर ढंग से जोड़ना है। वर्तमान में यह मार्ग महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बीच यातायात, औद्योगिक परिवहन, कृषि व्यापार एवं पर्यटन गतिविधियों के लिए प्रमुख संपर्क माध्यम के रूप में उपयोग किया जाता है। अब इसे फोर लेन में परिवर्तित किया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखकर डीपीआर

यह कॉरिडोर वर्तमान में कई सड़क सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए परियोजना की डीपीआर तैयार की जा रही है, जिसमें सड़क सुरक्षा को प्रमुख प्राथमिकता दी गई है। यातायात घनत्व, दुर्घटना संभावित स्थानों, शहरी क्षेत्रों में बढ़ते दबाव और भविष्य की यातायात आवश्यकताओं का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है।

क्षेत्रीय और रणनीतिक महत्व

सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर कॉरिडोर मध्य भारत के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का हिस्सा है। यह मार्ग एनएच-44, एनएच-47 तथा अन्य प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों से संपर्क स्थापित करता है, जिससे नागपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, जबलपुर, बैतूल और सागर जैसे शहरों के बीच तेज संपर्क उपलब्ध होता है।

दोनों राज्यों के औद्योगिक ग्रोथ को मिलेगी नई दिशा

वहीं, सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर कॉरिडोर केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बीच आर्थिक, औद्योगिक एवं व्यापारिक संपर्क को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण मार्ग माना जा रहा है। यह कॉरिडोर नागपुर एवं सावनेर जैसे महाराष्ट्र के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर एवं मध्य भारत के अन्य हिस्सों से जोड़ता है।

छिंदवाड़ा-नागपुर कनेक्टिविटी को बढ़ावा

प्रस्तावित फोरलेन परियोजना छिंदवाड़ा और नागपुर के बीच संपर्क को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वर्तमान में दोनों शहरों के बीच यात्रा के दौरान भारी वाहनों का दबाव, सीमित सड़क क्षमता एवं कई स्थानों पर धीमी यातायात गति यात्रियों और व्यापारिक परिवहन के लिए चुनौती बनी रहती है।

ट्विशा शर्मा की सास गिरिबाला सिंह सीबीआई की गिरफ्त में

- छह घंटे से अधिक समय तक हुई पूछताछ

अनोखा तीर, भोपाल।

ट्विशा शर्मा केस में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ के बाद सीबीआई की टीम ने पूर्व जज गिरिबाला सिंह को सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। वहां उनका मेडिकल करवाया जाएगा। इसके सीबीआई कोर्ट में उनकी पेशी होगी।

- **पूछताछ के बाद हुई गिरफ्तारी-** दरअसल, एमपी हाईकोर्ट ने देर रात उनकी अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी। इसके बाद सुबह साढ़े 10 बजे के करीर सीबीआई की टीम उनके घर में प्रवेश की थी। उसके बाद से लगातार उनसे पूछताछ चल रही थी। पूछताछ के दौरान गिरिबाला सिंह ने अपने खराब स्वास्थ्य का भी हवाला दिया था। इस दौरान गिरिबाला सिंह के वकीलों ने डॉक्टरों के पर्चे भी प्रस्तुत किए।
- **बड़ी संख्या में पुलिस बल की थी तैनाती-** गिरिबाला सिंह पूछताछ के दौरान घर के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती थी। उनसे तमाम सवाल सीबीआई ने पूछे हैं जो ट्विशा के केस से संबंधित हैं। सीबीआई के अधिकारियों के साथ-साथ घर में एसआईटी की टीम भी मौजूद है। इसके साथ ही सीबीआई की तकनीकी टीम भी घर में मौजूद है।
- **हाईकोर्ट ने रद्द की है अग्रिम जमानत-** इससे पहले बुधवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने गिरिबाला की अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी। हाईकोर्ट ने देर रात 17 पन्नों का आदेश जारी किया। इसमें कहा- मामले की गंभीरता, सबूत और जांच की स्थिति को देखते हुए आरोपी पक्ष को राहत देना उचित नहीं था।

ईद-उल-अजहा का त्योहार सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया

मस्जिदों में अदा की नमाज, गले मिलकर दी मुबारकबाद

अनोखा तीर, रहटगांव।

क्षेत्र में गुरुवार को ईद-उल-अजहा का त्योहार आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाया गया। मस्जिदों में नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने भी सभी को ईद पर्व की शुभकामनाएं दीं। जानकारी के अनुसार स्थानीय जामा मस्जिद में सुबह 8 बजे तथा मदरसा वाली मस्जिद में सुबह 7.30 बजे ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। नमाज के बाद सामाजिक बंधुओं और जनप्रतिनिधियों ने एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई दी। हाफिज महफूज ने बताया कि ईद-उल-अजहा का त्योहार पैगंबर इब्राहिम की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने अपने बेटे इस्माइल की कुर्बानी देकर अपने ईमान की परीक्षा दी थी। यह त्योहार अल्लाह की इच्छा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस त्योहार के माध्यम से त्याग, दान और करुणा का संदेश दिया जाता है तथा समाज और रिश्तों में भाईचारा मजबूत होता है। ईद-उल-अजहा लोगों को क्षमाशीलता और जरूरतमंदों की मदद करने के लिए भी प्रेरित करता है। त्योहार के दौरान बकरे और भेड़ की कुर्बानी दी जाती है, जिसे तीन हिस्सों में बांटा जाता है। एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा दोस्तों, पड़ोसियों और रिश्तेदारों के लिए तथा तीसरा हिस्सा गरीब और जरूरतमंद लोगों को दान किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का इस्तीफा

- बोले-आलाकमान ने जो कहा, मैंने वही किया
- मंत्री बोले-डीके शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री होंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा– मैंने पहले ही कहा था कि हाईकमान जब कहेगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। कल हाईकमान ने कहा और आज मैंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बताया कि

राज्यपाल थावरचंद गहलोत के सचिव को इस्तीफा सौंपा है। गहलोत फिलहाल पारिवारिक कारणों से बेंगलुरु से बाहर हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार भी मौजूद थे। हालांकि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह नहीं बताया कि गया कि अगला सीएम कौन होगा। इससे पहले सिद्धारमैया ने अपने घर पर मंत्रियों के साथ बैठक की और फैसले की जानकारी दी। बैठक के दौरान डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए, जिसके बाद दोनों गले मिले। वहीं, राज्य सरकार में मंत्री एचके पाटिल ने बताया कि डीके शिवकुमार ही सीएम होंगे।

ईरान के बाद अब ओमान को ट्रम्प की धमकी

- कहा-होर्मुज पर किसी का कंट्रोल बर्दाश्त नहीं, उड़ा देंगे, मुझे चुनाव की परवाह नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के बाद अब ओमान की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। दुनिया के सभी जहाजों को यहां से गुजरने की आजादी होगी। दरअसल ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से फीस वसूलने के लिए ओमान के साथ मिलकर एक सिस्टम तैयार करने पर

बातचीत कर रहा है। ट्रम्प ने कहा कि हम होर्मुज पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। ईरान इसे कंट्रोल करना चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान को लगा था कि वह बातचीत से पीछे हट जाएंगे, लेकिन अब तेहरान के पास समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

अब गांव में ही खुलेगा बैंक और डाकघर

- बिहार के पंचायत भवनों में मिलेंगी 5 बड़ी सुविधाएं

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। राज्य सरकार गांव के लोगों को जनसुविधाएं संबंधित पंचायतों में ही उपलब्ध कराने की दिशा में लंबे समय से प्रयासरत है। इसके लिए सभी पंचायत भवनों में डाकघर, बैंक, पुस्तकालय, आरटीपीएस केंद्र और सुधा होल–डे–मिल्क पार्लर खोलने की योजना पर काम

चल रहा है। इसके लिए सभी जिलों में पंचायत सरकार भवनों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इसे बहुउद्देशीय बनाया जा रहा है, ताकि एक ही छत के नीचे पंचायत के लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं मिल सके। इसमें डाकघर, बैंक, पुस्तकालय, आरटीपीएस केंद्र और सुधा होल–डे–मिल्क पार्लर भी खोला जाएगा। इसी कड़ी में मुख्य पोस्टमास्टर जनरल की ओर से पंचायती राज विभाग के निदेशक को पत्र लिखकर डाकघर खोलने के लिए भवनों को चिह्नित कर सूची भेजने का अनुरोध किया गया है। जिला पंचायती राज पदाधिकारियों को पंचायत सरकार भवनों की सूची तैयार कर भेजने को कहा है।

नौतपे का कहर

नगर में टूटा 11 साल का रिकॉर्ड, मैदानी इलाकों में पार 45 डिग्री के पार

- सुबह 9 बजे से ही बाजारों में पसरा सन्नाटा
- ईद की छुट्टी और मंडी बंद होने से सड़कें रहीं पूरी तरह सुनसान
- पश्चिमी गर्म हवाओं ने झुलसाया

अनोखा तीर, भैरुंदा।

आसमान से बरसती आग और थपेड़े मारती गर्म पश्चिमी हवाओं के कारण गुरुवार का दिन नगर सहित पूरे अंचल के लिए किसी कहर से कम साबित नहीं हुआ। नौतपे के चौथ दिन गर्मी ने रौद्र रूप दिखाते हुए पिछले एक दशक लगभग 11 वर्ष का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। सूरज के तीखे तेवरों का आलम यह था कि सुबह 7 बजे से ही वातावरण में गर्मी आ गई थी और सुबह 8 बजते-बजते पूरा क्षेत्र गर्म हवाओं की चपेट में आ गया। मौसम वैज्ञानिकों और जानकारों की मानें तो इससे पहले मई के महीने में गर्मी का ऐसा नजारा वर्ष 2015 में देखा गया था। हालांकि वर्ष 2019 में भी नौतपे ने लोगों को जमकर छकाया था। लेकिन इस बार गुरुवार को गर्मी के तेवरों ने पिछले सारे रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया है। मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार गुरुवार को नगर का अधिकतम तापमान 44 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि खुले मैदानी और ग्रामीण इलाकों में यह पारा 45 लेकर 45.5 डिग्री पार पहुंच गया। गर्मी और लू के अधिक होने का मुख्य कारण राजस्थान की और से रही सूखी व झुलसाने वाली पश्चिमी हवाएं है। दोपहर के समय हवा की गति और उसकी तपन इतनी तीव्र थी कि राहगीरों के चेहरे और त्वचा झुलसने लगी थी।

सुबह से ही पसरा रहा सन्नाटा – अमूमन तेज गर्मी के दिनों में भी दोपहर 11 बजे तक बाजारों में चहल-पहल देखी जाती है। लेकिन गुरुवार को सुबह 9 बजे से ही मुख्य बाजारों और चौराहों पर अघोषित कर्फ्यू जैसा नजारा दिखने लगा था। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक स्थिति सबसे ज्यादा भयावह रही। सूरज की सीधी और तीखी मार के कारण लोग अपने घरों के अंदर कैद रहने को मजबूर हो गए। नगर के मुख्य बस स्टैंड, इंदौर-भोपाल मार्ग और मुख्य बाजार की सड़कें पूरी तरह से सुनसान दिखाई दीं। दुपहिया वाहन चालक सिर और चेहरे पर तौलिया, स्कार्फ और चश्मा लगाए बिना बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे।

त्यौहार की छुट्टी और मंडी बंद होने से थमी ग्रामीण क्षेत्रों की आवाजाही– भीषण गर्मी के बीच गुरुवार को ईदुज्जुहा बकरीद का त्यौहार होने के चलते सभी शासकीय कार्यालयों, अर्द्ध शासकीय संस्थानों और बैंकों में अवकाश था। इसके साथ ही कृषि उपज मंडी में भी कारोबार पूरी तरह बंद रहा। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के किसान और आम नागरिक भी खरीदारी या अन्य कामों के लिए गांव से शहर की तरफ नहीं आए। ग्रामीण अंचलों से आने वाले वाहनों और यात्रियों की संख्या शून्य रहने के कारण बस स्टैंड और सड़कों पर सन्नाटे का असर और अधिक गहरा दिखाई दिया। लगातार बढ़ रहे पारे के कारण घरों में चल रहे कूलर और पंखे भी केवल गर्म हवा फेंक रहे थे। लोग गर्मी से बचने के लिए बार-बार ठंडे पानी और अन्य जतन करते नजर आए। वहीं बाजारों में सन्नाटे के बावजूद गन्ने के रस, लस्सी, छाछ, कैरी के पने और तरबूज-खरबूज की दुकानों पर थोड़ी-बहुत आवाजाही देखी गई।

रीवा-चारलापल्ली साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन चलेगी

- बीना, रानी कमलापति और इटारसी स्टेशनों पर रहेगा ठहराव

अनोखा तीर, भोपाल। रेलवे प्रशासन ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विशेष किराये पर समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 02158/02157 रीवा-चारलापल्ली-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के सतना, मैहर, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों से होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 02158 रीवा-चारलापल्ली साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 7 जून 2026 से 28 जून 2026 तक प्रत्येक रविवार रीवा स्टेशन से दोपहर 12.30 बजे रवाना होगी।

ट्रेन सतना, मैहर, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी होते हुए अगले दिन चारलापल्ली पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02157 चारलापल्ली-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 8 जून 2026 से 29 जून 2026 तक प्रत्येक सोमवार चारलापल्ली स्टेशन से शाम 5 बजे रवाना होगी और नागपुर, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर एवं सतना होते हुए रीवा पहुंचेगी। इस ट्रेन में 24 कोच रहेंगे, जिनमें सामान्य श्रेणी, शयनयान, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी एवं वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी के कोच शामिल होंगे। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रेन के ठहराव और समय-सारणी की विस्तृत जानकारी स्टेशन, एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा रेलवे की ऑनलाइन वेबसाइट से प्राप्त करें।

खंभात की खाड़ी में बनेगा भारत का सबसे लंबा पुल

भावनगर से भरूच की दूरी अब 45 मिनट में होगी पूरी

गुजरात के व्यापार, उद्योग और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के इंफ्रास्ट्रक्चर इतिहास में एक सुनहरा अध्याय जुड़ने जा रहा है। केंद्र सरकार ने सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के करोड़ों लोगों को सालों की परेशानी से आजादी

दिलाने के लिए एक बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना पर अपनी मुहर लगा दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने खंभात की खाड़ी पर एक शानदार और अत्याधुनिक सी ब्रिज बनाने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं।

सिर्फ 45 मिनट में पूरा होगा 6 घंटे का सफर

अभी, भावनगर से भरूच या सूरत जाने के लिए बगोदरा या वडोदरा होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ता है, जिसमें लगभग 7 से 8 घंटे लगते हैं। लेकिन इस नए एक्सप्रेसवे और पीएम गति शक्ति प्रोजेक्ट के तहत प्रस्तावित लगभग 30 किलोमीटर लंबे सी–ब्रिज के बनने के बाद यह दूरी सिर्फ 45 मिनट से 1 घंटे में तय की जा सकेगी। इस हाईवे प्रोजेक्ट की वजह से भावनगर और सूरत के बीच की दूरी लगभग 240 किलोमीटर कम हो जाएगी, जिससे फ्यूल बचेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना के अलाइनमेंट की समीक्षा के दिए निर्देश

-पर्यावरण संरक्षण के साथ रेल विकास पर दिया जोर

अनोखा तीर, भोपाल। ललितपुर–सिंगरौली रेल लाइन परियोजना बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण रेल कनेक्टिविटी परियोजना है। यह परियोजना मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश के पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। प्रस्तावित रेल लाइन मध्यप्रदेश के पूर्वी क्षेत्र को झांसी–भोपाल मुख्य रेल मार्ग से जोड़ेगी, जिससे क्षेत्रीय विकास, रोजगार और आवागमन को नई गति मिलेगी। यह रेल लाइन पन्ना के जंगल क्षेत्र से होकर गुजर रही है। परियोजना के अलाइनमेंट से संबंधित समाचारों का रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संज्ञान लिया है। रेल मंत्री ने परियोजना के अलाइनमेंट से जुड़े ड्रोन फोटोग्राफ्स एवं टोपो शीट का विस्तृत अध्ययन किया। रेल मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वर्तमान अलाइनमेंट का पुनः तकनीकी परीक्षण कराया जाए। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम सभी संभावित विकल्पों का अध्ययन करेगी, ताकि पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव पड़े और अधिक से अधिक पेड़ों को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्र में जितने पेड़ प्रभावित होंगे, उनसे दोगुने से अधिक संख्या में पेड़ आगामी मानसून से पूर्व लगाए जाएं। भारतीय रेल विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यह परियोजना क्षेत्रीय संपर्क, आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ईद पर नमाज अता कर मांगी अमन-चैन की दुआ

अनोखा तीर, मसनगांव। ग्राम में ईद-उल-अजहा का त्योहार गुरुवार को धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। ईदगाह एवं मस्जिदों में समाजजनों ने विशेष नमाज अदा कर देश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद-उल-अजहा के अवसर पर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह नजर आया। नए परिधानों में लोग नमाज अदा करने पहुंचे। नमाज के बाद समाजजनों ने अपने रिश्तेदारों और परिचितों के घर पहुंचकर बधाई दी तथा विभिन्न पकवानों का आनंद लिया। पर्व को लेकर ग्राम में सुबह से ही चहल-पहल बनी रही। ईद के अवसर पर विभिन्न समाजों के लोगों ने भी मुस्लिम समाजजनों को शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे एवं सौहार्द का संदेश दिया।

मुझ पर हमले से आपके अपराध कम नहीं होंगे

- नीट विवाद को लेकर धर्मेंद्र प्रधान पर बरसे राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट परीक्षा परिणाम और कॉन्ट्रैक्ट को लेकर शुरू हुआ विवाद अब सियासी टकराव में बदलता जा रहा है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर सीधा हमला बोलते हुए सरकार से कई सवाल पूछे हैं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 18.5 लाख छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया गया और सरकार जवाब देने से बच रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान जी, आप मुझ पर जितने चाहे हमले कर लें, लेकिन इससे आपके अपराध कम नहीं होंगे।

न ही इससे 18.5 लाख बच्चों के लिए जवाब मांगना बंद होगा। उन्होंने पूछा कि आखिर नीट का कॉन्ट्रैक्ट कंपनी को क्यों दिया गया, जबकि यह कंपनी अपने पुराने नाम के तहत पहले भी विवादों में रह चुकी है। राहुल गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि क्या कंपनी की बैकग्राउंड जांच हुई थी और अगर हुई थी तो फिर कॉन्ट्रैक्ट क्यों दिया गया। इस पूरे विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि एनटीए पहले ही इस मामले पर अपना पक्ष रख चुका है।

भाजपा मंडल कायदा की कामकाजी बैठक आयोजित

संगठनात्मक कार्यक्रमों और आगामी अभियानों पर हुई चर्चा

अनोखा तीर, रहटगांव। भाजपा मंडल कायदा की महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक सामुदायिक भवन कायदा में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम हर बूथ पर सुना जाए तथा संगठन ऐप को 100 प्रतिशत अपडेट किया जाए। इसके साथ ही शक्ति केंद्र और बूथ समिति की बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया गया। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा हुई। 5 जून को पर्यावरण दिवस और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रम बूथ स्तर तक आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष गयाप्रसाद पांडे, मंडल अध्यक्ष सतीश इवने, मन की बात कार्यक्रम के प्रभारी संतसरन खरे, शक्ति केंद्र प्रभारी जगदीश प्रसाद गौर सहित समस्त बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

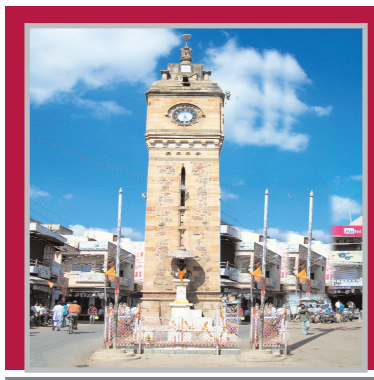

आमजन सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के साथ कंपनी का करें सहयोग

अनोखा तीर, हरदा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने प्राकृतिक और मानवीय कारणों से होने वाली विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आमजन और उपभोक्ताओं से सतर्कता बरतने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि विद्युत लाइनों, वितरण ट्रांसफार्मरों एवं अन्य विद्युतीय उपकरणों से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें तथा भवन निर्माण, कॉलोनी निर्माण और सड़क विस्तार के दौरान सुरक्षा मानकों के अनुसार उचित दूरी बनाए रखें। कंपनी ने बताया कि विद्युत उपकरणों के साथ छेड़छाड़ करना, नुकसान पहुंचाना अथवा चोरी करना कानूनी अपराध है, जिसके लिए जुर्माना और सजा का प्रावधान है। इस प्रकार की घटनाओं की सूचना तत्काल नजदीकी विद्युत वितरण केंद्र को देने की अपील की गई है। कंपनी के अनुसार कई बार कॉलोनियों के विद्युतीकरण और सड़क निर्माण के दौरान सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर दी जाती है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इस संबंध में मैदानी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नियम विरुद्ध निर्माण पाए जाने पर संबंधित उपभोक्ता, एजेंसी या भवन स्वामी को विद्युत अधिनियम-2003 के तहत नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। नई विद्युत लाइनों के निर्माण के दौरान भी निर्धारित सुरक्षित दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। यदि सड़क निर्माण के कारण विद्युत लाइनों का सुरक्षित अंतराल कम हो रहा हो, तो संबंधित एजेंसी को खंभों की ऊंचाई बढ़ाने के प्रस्ताव भेजने और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सार-समाचार

'आरोह 2026' के तहत नेहरू स्टेडियम में म्यूजिकल एरोबिक डांसिंग मूवमेंट

-बच्चों को मोबाइल से दूर कर मैदान से जोड़ा

अनोखा तीर, हरदा। जिला खेल और युवा कल्याण विभाग हरदा द्वारा संचालित 'आरोह 2026' सामुदायिक फिटनेस अभियान के तहत रविवार को नेहरू स्टेडियम में म्यूजिकल एरोबिक डांसिंग मूवमेंट का आयोजन किया गया। खेल समन्वयक सलमा खान ने बताया कि घरों में बच्चे मोबाइल और टीवी से जुड़े रहने के कारण मैदानी खेलों से दूर हो रहे हैं। खेल के प्रति रुचि बढ़ाने और बच्चों को प्रेरित करने के उद्देश्य से शिविर में प्रतिदिन नई मनोरंजक गतिविधियां कराई जा रही हैं।

एरोबिक से तन-मन दोनों स्वस्थ- एरोबिक हेल्थ फिटनेस एक्सपर्ट गरिमा बांके ने अभिभावकों एवं खिलाड़ियों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए म्यूजिक पर एरोबिक, व्यायाम व डांसिंग मूवमेंट कराए।

उन्होंने कहा कि नियमित एरोबिक से शरीर स्वस्थ रहता है, मानसिक तनाव कम होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने अभिभावकों से घर में भी म्यूजिक पर एक्टिविटी करने की अपील की। इस दौरान आभा म्यूजिकल ग्रुप की गायिका आभा अग्रवाल ने खिलाड़ियों को देशभक्ति गीत सुनाकर राष्ट्र के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित महिला मोर्चा की जिला मंत्री प्रीति गहलोत ने बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि उनका बेटा बॉलीबॉल में राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुका है, इसलिए उन्हें खेल और खिलाड़ी अधिक प्रिय हैं। मैदान पर मौजूद अभिभावकों ने खेल विभाग का आभार जताते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों को विसंगतियों से दूर कर बेहतर खिलाड़ी बनाने में मदद कर रही हैं। इस अवसर पर एथलेटिक्स जिला खेल प्रशिक्षक राजेश जलाबड़ा, अजय पुरवइया सहित बड़ी संख्या में विभिन्न खेलों के खिलाड़ी, अभिभावक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने म्यूजिकल एरोबिक डांसिंग मूवमेंट में हिस्सा लेकर आनंद लिया।

नवदंपत्ति को आशीर्वाद देने पहुंचे अनुसूचित जाति मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष

अनोखा तीर, भैरुंदा। भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य गुरुवार को भैरुंदा पहुंचे और पूर्व प्रदेश कार्यकर्ता कैलाश धावरे और वार्ड क्रमांक 1 की पार्षद श्रीमती सरोज धावरे के निज निवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने अजय धावरे के विवाह के उपरांत उन्हें सुखद दांपत्य जीवन के लिए बधाई देते हुए अपना स्नेहिल आशीर्वाद प्रदान

किया। इस दौरान अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार, प्रदेश महामंत्री गणपत डाबी, जीतू गोड़, कैलाश बगाना, मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष राजेश पवांर, पीएन पैठारी, ओम राठौर, उपाध्यक्ष चतुर्भुज सोलंकी, विष्णु प्रसाद पाटील, गजराज दूधवाल, सरपंच शिवनारायण बाकरियां, मदनलाल मालवीय, अनिरुद्ध धावरे, रेवाराम पैठारी, राधेश्याम हरियाले, नरेश राजपूत, अशोक राठौर, रामनिवास पैठारी, फत्तू लाल अहिरवार और मोती लाल बकोरिया मुख्य रूप से मौजूद थे।

प्रतिभाओं का सम्मान: 129 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर बढ़ाया हौसला

अनोखा तीर, भैरुंदा। नगर में शिक्षा और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की दिशा में अखिल भारतीय क्षत्रिय कालोंता समाज द्वारा सोना पैलेस गार्डन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। हर वर्ष की परंपरा को निभाते हुए इस बार भी 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 10 वीं के 74 और कक्षा 12 वीं के 55 कुल 129 होनहार विद्यार्थियों को मंच पर शील्ड, सम्मान प्रमाण पत्र एवं बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। मंच पर सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर आत्मविश्वास और उत्साह साफ झलक रहा था। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, अभिभावक, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज के वरिष्ठ एवं चेयरमैन अमरसिंह पवांर ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के

साथ-साथ संस्कारों का होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को केवल अंकों तक सीमित न रहकर नैतिक मूल्यों को अपनाने की सलाह दी। साथ ही अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि सत्यनारायण पवांर अधिवक्ता ने सभी मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके कठिन परिश्रम और लगन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा इस तरह के आयोजन युवाओं को नई दिशा देने का कार्य करते हैं और सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। समारोह के दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा छात्र-छात्राओं को करियर मार्गदर्शन भी दिया गया। विशेषज्ञों ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप सही दिशा चुनने की अपील की, ताकि वे भविष्य में सफलता के नए आयाम स्थापित कर सकें।

संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस की समीक्षा बैठक आयोजित

गांव-गांव पहुंचकर भाजपा सरकार की नीतियों को बताएंगे कार्यकर्ता

अनोखा तीर, हरदा/खिरकिया।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान के तहत जिले में ब्लॉक, मंडलम एवं ग्राम पंचायत कमेटियों की समीक्षा बैठकें शुरू की गई हैं। इसी क्रम में टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के खिरकिया ब्लॉक अंतर्गत मुहाल ग्राम पंचायत कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रभारी रचना जैन, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई, मल्लू पटेल, आशुतोष कोठारी एवं सुनील सिंह राजपूत मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंडलम अध्यक्ष, ग्राम पंचायत कमेटी के अध्यक्ष एवं सदस्य शामिल हुए। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करते हुए गांव-गांव जाकर भाजपा सरकार की किसान और गरीब विरोधी नीतियों को जनता तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया।

जिला प्रभारी रचना जैन ने कहा कि राहुल गांधी की मंशा है कि कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक नेता गांव-गांव जाकर किसानों और गरीबों के साथ खड़ा रहे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई ने कहा कि खाद्य सुरक्षा कानून, शिक्षा का अधिकार, इंदिरा आवास योजना, वन अधिकार कानून और महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना जैसी कई योजनाएं कांग्रेस सरकार की देन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में किसानों का शोषण हो रहा है और गरीबों को आवास नहीं मिल पा रहे हैं। बैठक में कांग्रेस शासनकाल में किसानों के लिए चलाई गई योजनाओं की जानकारी भी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि वर्ष 2008 में देशभर में 72 हजार करोड़ रुपए का किसान कर्ज माफ किया गया था तथा वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश में 26 लाख 95 हजार किसानों का 11 हजार 600 करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया गया। कांग्रेस शासन में किसानों को अनुदान पर बीज एवं लघु तथा सीमांत किसानों को कृषि विभाग से निशुल्क बीज उपलब्ध कराए जाते थे। कार्यक्रम में खिरकिया ब्लॉक प्रभारी सूरज सिंह राजपूत, सेदाराम सिंधा, भागवत सिंह देवड़ा, बूथ प्रभारी श्याम सिंह, कमल सिंह राजपूत, रूपसिंह राजपूत, गुलाब सिंह राजपूत, राधेश्याम देवड़ा, देवेंद्र पंवार, गोकुल प्रसाद, अनिल कावरे, सुमित ओनकार, प्रतिम राजपूत, कैलाश, हार्दिक जायसवाल, पंकज बिश्नोई सहित ग्राम पंचायत कमेटी के सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर मप्र सरकार का बड़ा फैसला

- **ग्राम स्तर तक नियुक्त होंगे बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी**

अनोखा तीर, हरदा।

बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अभियानों को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने पूर्व में जारी अधिसूचना को निरस्त करते हुए अब जिला से लेकर ग्राम स्तर तक विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी के रूप में अधिसूचित किया है। यह निर्णय

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 की धारा 16 के अंतर्गत लिया गया है।

तुरंत एफआईआर और कार्रवाई

नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब बाल विवाह की सूचना मिलने पर संबंधित पटवारी या सेक्टर पर्यवेक्षक तत्काल हस्तक्षेप कर कार्रवाई कर सकेगा। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला कलेक्टर से पटवारी तक की जवाबदेही तय

नई व्यवस्था के तहत जिला स्तर पर जिला कलेक्टर, अपर कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिम्मेदारी संभालेंगे। अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसील स्तर पर तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ब्लॉक स्तर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी कार्य करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में पटवारी तथा शहरी क्षेत्रों में नगर पालिक निगमों के जोनल अधिकारी, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारियों को भी इस कानून के क्रियान्वयन का दायित्व दिया गया है। नगर पालिका परिषद एवं नगर परिषदों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, उप राजस्व निरीक्षक एवं मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया है।

'श्रम प्रहरी' बन अपंजीकृत संस्थानों की जानकारी देकर श्रमिक कल्याण में करें योगदान

अनोखा तीर, हरदा। श्रमिकों को सुरक्षित कार्यदशाएं और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। आम नागरिक 'श्रम प्रहरी' के रूप में आगे आकर अपंजीकृत संस्थानों और निर्माण स्थलों की गोपनीय सूचना दे सकते हैं, जिससे श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ पात्र वर्ग तक सुचारू रूप से पहुंचाया जा सके। श्रम विभाग के अनुसार सभी संस्थानों एवं निर्माण स्थलों का विभाग में पंजीयन अनिवार्य है। पंजीकरण नहीं होने की स्थिति में श्रमिक शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। विभाग द्वारा पारदर्शिता के लिए वर्तमान में संचालित एवं पंजीकृत निर्माण कार्यों, अति-खतरनाक और अन्य कारखानों की ऑनलाइन सूची विभाग के पोर्टल पर सार्वजनिक कर दी गई है। यदि कोई संस्थान या निर्माण स्थल अपंजीकृत पाया जाता है, तो उसकी सूचना टोल-फ्री श्रमिक हेल्पलाइन नंबर 1800-233-8888 पर दी जा सकती है।

पंजीकरण नहीं कराने पर सख्त कार्रवाई

कारखाना अधिनियम-1948 के अनुसार ऐसे सभी परिसरों को, जहां 20 या अधिक श्रमिक विनिर्माण कार्य में नियोजित हैं, मुख्य कारखाना निरीक्षक से लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। वहीं भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम-1996 के तहत निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पूर्व श्रम विभाग को सूचना देना आवश्यक है। पंजीकरण नहीं कराने वाले नियोजकों के विरुद्ध अधिकतम 1 लाख रुपए जुर्माना अथवा 2 वर्ष तक का कारावास या दोनों का प्रावधान है। निर्माण स्थलों का पंजीकरण नहीं कराने पर 2 हजार रुपए जुर्माना अथवा 3 माह तक का कारावास हो सकता है। विभाग ने सभी नियोजकों से तत्काल पंजीकरण सुनिश्चित करने की अपील की है।

गायत्री परिवार के 19 साधकों ने पूर्ण की पांच दिवसीय विशिष्ट मौन साधना

विश्व शांति और संस्कृति संरक्षण के लिए किया अनुष्ठान

अनोखा तीर, हरदा।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के विशेष मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ हरदा के 19 परिजनों ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में हिमालय की ऊंचाइयों पर स्थित मुनस्यारी गायत्री चेतना केंद्र में पांच दिवसीय विशिष्ट मौन साधना का संकल्प पूर्ण किया। साधना का उद्देश्य वसुधैव कुटुंबकम, विश्व शांति, विश्व कल्याण, आत्मिक उत्थान, संपूर्ण सृष्टि की अक्षुण्णता तथा भारतीय सनातन संस्कृति को स्थायित्व प्रदान करना रहा। साधकों ने नवागत पीढ़ी को उचित मार्गदर्शन देने तथा गायत्री परिवार के संस्थापक वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के सद्विचार, सद्साहित्य और गायत्री मंत्र को जन-जन तक पहुंचाने एवं घर-घर स्थापित करने का संकल्प लिया। पांच दिवसीय साधना के दौरान प्रतिदिन विश्व शांति, संस्कृति संरक्षण और युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की भावना से विशेष आहुतियों के साथ यज्ञ, हवन एवं तर्पण कार्यक्रम संपन्न किए गए। साधकों ने बताया कि विशिष्ट मौन साधना से शांत चित्त, स्थिर मन, आशा, उत्साह, उमंग और ऊर्जा का संचार हुआ है, जिसे वे गुरुदेव के रचनात्मक कार्यों के लिए समर्पित करेंगे। साधना पूर्ण कर सभी परिजन 24 मई को

हरदा गायत्री शक्तिपीठ लौटे, जहां गायत्री माता एवं शुभचिंतकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ हरदा के मुख्य ट्रस्टी ऋषि कुमार पारे, प्रबंधक सियाराम गौर, गुलाब सिंह सोलंकी, भगवान सिंह सोलंकी, सुनीता अग्रवाल, रेखा चौरे और विवेक गौर ने साधना से लौटे सभी 19 साधकों का गायत्री मंत्र युक्त दुपट्टा पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया। साथ ही साधकों ने अपने अनुभव साझा किए और सभी के मंगलमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुनस्यारी स्थित गायत्री चेतना केंद्र में साधना करने वालों में सियाराम गौर, दिलीप गौर, ग्यारसराम गौर, प्रभुदयाल गौर, लक्ष्मीनारायण चौहान, चंद्रशेखर टिकारिया, शैलेंद्र पाराशर, संतोष कुमार मालवीय, कन्हैयालाल असलेकर, किरण कुमरे, कुसुम गौर, किरण गौर, शैलबाला पाराशर, सुधा चौहान, मृदुला पटेल, आरती गौर, लता मालवीय, सरिता मालवीय और मीनाक्षी तोमर शामिल रहे।

विहिप अभ्यास वर्ग की तैयारी को लेकर हुई बैठक

विदिशा में प्रशिक्षित होंगे कार्यकर्ता

अनोखा तीर, रमगढ़ा।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल मध्य भारत प्रांत की बैठक का आयोजन ग्राम बाया में किया गया। बैठक में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय अभ्यास वर्ग की रूपरेखा और तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित विभाग संगठन मंत्री भानु प्रताप सिंह राजपूत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व हिंदू परिषद द्वारा प्रतिवर्ष पूरे विश्व में अभ्यास वर्ग आयोजित कर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाता है। उन्होंने प्रशिक्षण के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका मूल ध्येय हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना है। कार्यकर्ता आत्म संयम के साथ हिंदू समाज को जागृत करें और सनातन की पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखें, इसके लिए अभ्यास वर्ग में सामाजिक समरसता, गोरक्षा सहित सभी प्रमुख आयामों के विषयों में गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग संगठन मंत्री राजपूत ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त होने के बाद कार्यकर्ताओं को समाज हित में कार्य करने के लिए एक सही दिशा मिलती है। इसी दिशा के साथ कार्यकर्ता समाज में सकारात्मक जागृति लाने और विसंगतियों को दूर करने का प्रयास करते हैं। इसी उद्देश्य को लेकर इस वर्ष मध्य भारत प्रांत का विश्व हिंदू परिषद वर्ग विदिशा में आयोजित किया जा रहा है। इस भव्य वर्ग में मध्य भारत प्रांत के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के चयनित कार्यकर्ता भाग लेंगे और प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस बैठक में विहिप के जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह तोमर, जिला सह मंत्री धर्मेंद्र नागर, प्रखंड बजरंग दल संयोजक सौरभ धुर्वे सहित नगर व आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता और पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

संपादकीय

त्विषा शर्मा मामलाः सबूतों पर सवाल...

इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी आपराधिक घटना की निष्पक्ष और गहन जांच-पड़ताल के बाद ही कोई निष्कर्ष सामने आता है तथा उसी आधार पर कानूनी प्रक्रिया न्याय के निष्कर्ष तक पहुंचती है। इस बीच अगर आरोप और कार्रवाई के दौरान न्याय की मांग बाधित होती दिखती है, तो उसके लिए जिम्मेदार कारकों पर बहस होती है। मध्य प्रदेश के भोपाल में त्विषा शर्मा की मौत के मामले में कानूनी कार्रवाई को लेकर जैसी स्थितियां देखी गईं, उसमें कई सवाल उठे। त्विषा के परिवार ने उनकी मौत को दहेज के लिए की गई हत्या बताया और आरोप लगाया कि घटना से संबंधित सबूतों को मिटाने की कोशिश की गई।

इसके अलावा, शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तथ्यों की तोड़-मरोड़ करने के आरोप लगे और यह भी कहा गया कि प्रभावशाली लोग मामले की जांच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, त्विषा की मौत के बाद प्राथमिकी दर्ज करने में तीन दिन तक टालमटोल की गई और घटना से संबंधित सबूतों को संभालकर सुरक्षित रखने में पुलिस नाकाम रही। जाहिर है, यह या तो पुलिस के कामकाज में व्याप्त लापरवाही का ही एक और उदाहरण है या फिर किसी के प्रभाव में ऐसा हुआ। दरअसल, त्विषा का पति वकील है और उनकी सास जिला न्यायाधीश रह चुकी हैं। शायद इन्हीं वजहों से मामले में त्वरित कार्रवाई से बचने और आरोपियों के प्रति नरमी बरतने के आरोप लगे। यानी यह धारणा बनी कि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हो रही है और आरोपियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। जहां से न्याय की उम्मीद होती है, अगर वहीं के ढांचे पर कोई सवाल उठता है, तो यह

समूची न्यायपालिका के लिए एक असुविधाजनक तस्वीर है। शायद इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने खुद इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया। सोमवार को इस पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस विमर्श से व्यथित है कि न्यायपालिका आरोपियों को बचा रही है। इसके साथ ही अदालत ने पीड़ित पक्ष और उनके परिजनों तथा अभियुक्तों से कहा कि वे मीडिया या सार्वजनिक मंचों पर बयान देने के बजाय अपनी बात जांच एजेंसी के सामने दर्ज कराएं, ताकि जांच पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

सुप्रीम कोर्ट की यह चिंता वाजिब है कि न्यायपालिका को लेकर आम जनता के बीच नकारात्मक धारणा न बने। मगर सवाल है कि आखिर पीड़ित पक्ष के सामने उचित तरीके से कार्रवाई न करने और आरोपियों को बचाने का आरोप लगाने की नौबत क्यों पैदा हुई? आखिर किन वजहों से सरकार ने मामले की जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश की और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने त्विषा के शव का पोस्टमार्टम दोबारा कराने का आदेश क्यों दिया? कायदे से घटना के सामने आने के बाद पुलिस अपनी ओर से खुद सबूतों को संभालने से लेकर जांच-पड़ताल और आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी प्रक्रिया शुरू करने को लेकर तुरंत सक्रिय होती। मगर इसमें जिस तरह की टालमटोल की गई, उससे स्वाभाविक ही पीड़ित पक्ष के भीतर निराशा पैदा हुई। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट को भी मामले में दखल देने की जरूरत पड़ी। अब जरूरत इस बात की है कि त्विषा की मौत और उसके बाद उनके परिवार की ओर से दहेज के लिए हत्या कर देने के आरोपों की निष्पक्ष तरीके से जांच सुनिश्चित हो। विडंबना यह है कि दहेज से लेकर घरेलू हिंसा तक के विरुद्ध बने तमाम सख्त कानूनों के बावजूद आज भी महिलाओं के खिलाफ अपराधों की रोकथाम संभव नहीं हो सकी है।

दुनिया की भीड़ में अकेले रहना सीख लो

दुनिया की भीड़ है, उसमें शोर ही शोर है,
चारों ओर रिश्तों में बस होड़ ही होड़ है।
चेहरों और आँखों में अब फ़रेब बस गया,
वफ़ा की बातें करना भी अजीब–सा लग गया।
मंच सजा है केवल झूठी शोहरत के लिए,
सच तो कहीं छिपा है, दिखावे की भीड़ में।
आदमी ही आदमी को निगलता जा रहा,
यह दौर कितना दुखद है, समय बता रहा।
कोई दिल के जज़्बातों से खेलता यहाँ,
एक गिरता है तो दूसरा धकेलता वहाँ।
रिश्तों की ज़मीन पर स्वार्थ का राज है,
भरोसे का ज़माना अब जैसे नाराज़ है।
पैसों की खनक में आवाज़ें दब गईं,
संवेदनाओं की किताबें कहीं खो गईं।
हवस और लालच सबको खाए जा रहे,
अपने ही अब अजनबी नज़र आए जा रहे।
दूसरों को गिराकर बड़ा बनने का चलन,
यही बन गया है आज की दुनिया का चलन।
कहाँ खो गई इंसानियत इस जहान में,
इंसानियत ही मिट रही इंसान के सम्मान में।
वक़्त कभी ठहरता नहीं, यह याद रखो,
अपने भीतर के इंसान को आबाद रखो।
मन में छिपी मानवता को आवाज़ दो,
अंधेरों में भी प्रेम और विश्वास बो।
यह चाहतों की दुनिया एक दिन मिट जाएगी,
पर सच्ची इंसानियत ही अमर कहलाएगी।

— गोविन्द सूचिक 'अदनासा'
हरदा, नर्मदापुरम संभाग, मध्यप्रदेश

आज का कार्टून

छात्रों के लिए थका देने वाला सिस्टम...

इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश प्रणाली में इस प्रकार की केंद्रीकृत व्यवस्था पहले से लागू है। हर संस्थान अपने चयन मानदंड और शैक्षणिक मानकों के अनुरूप एकीकृत साक्षात्कार प्रक्रिया को अमल में ला सकता है। यह प्रक्रिया के दोहराव को समाप्त करने की दिशा में एक अहम पहल हो सकती है, जिससे संचालन तंत्र की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी, साथ ही सीएटी के मूल उद्देश्य तक पहुंचना भी संभव हो जाएगा। यानी एक ऐसी प्रवेश प्रक्रिया, जिसमें सभी प्रबंधन संस्थानों की एक ही मंच के माध्यम से लिखित परीक्षा, साक्षात्कार, काउंसलिंग और शुल्क जमा करने की व्यवस्था हो। भारत आज वैश्विक शिक्षा केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केवल उत्कृष्ट संस्थान ही नहीं, बल्कि निष्पक्ष और सुव्यवस्थित प्रवेश प्रणाली का होना भी आवश्यक है। यहां प्रश्न क्षमता का नहीं, इच्छाशक्ति का है।

अतुल अग्रवाल

उच्च शिक्षा व्यवस्था में योग्यता, समान अवसर और क्षेत्रीय संतुलन की प्रतिबद्धता का होना जरूरी है। देश में इस दिशा में समय-समय पर प्रयास होते रहे हैं और भारतीय प्रबंधन संस्थान इन आदर्शों के प्रतीक माने जाते हैं। इन संस्थानों को उत्कृष्टता, प्रतिस्पर्धा और पेशेवर सफलता के मानक के रूप में देखा जाता है। मगर, जिन संस्थानों की पहचान पारदर्शिता और श्रेष्ठता से जुड़ी है, उनकी प्रवेश प्रक्रिया काफी असमन्वित प्रतीत होती है। जब देश प्रशासनिक सुधार, डिजिटल सरलीकरण और छात्र-केंद्रित नीतियों की ओर बढ़ रहा है, तब आईआईएम की प्रवेश परीक्षा व्यवस्था पर पुनर्विचार समय की मांग है।

देश में भारतीय प्रबंधन संस्थानों की यात्रा स्वतंत्र भारत के विकास से गहराई से जुड़ी है। वर्ष 1961 में अहमदाबाद और कोलकाता में पहले आईआईएम स्थापित हुए, जिनका उद्देश्य विकासशील राष्ट्र को कुशल प्रबंधक देना था। वर्ष 1973 में आईआईएम बंगलुरु की स्थापना हुई। उदारीकरण के बाद लखनऊ, इंदौर और कोझिकोड जैसे संस्थान अस्तित्व में आए, जिन्होंने बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा किया।

पिछले एक दशक में देश के विभिन्न राज्यों में नए आईआईएम खोले गए, ताकि क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित हो और गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा महानगरों से बाहर भी पहुंचे। विस्तार की यह नीति सराहनीय रही, मगर इन संस्थानों में प्रवेश के लिए समन्वय का अभाव आज भी खलता है।

प्रवेश प्रक्रिया की बात की जाए, तो सभी आईआईएम के लिए एक समान प्रवेश द्वार यानी लिखित परीक्षा है– कॉमन एडमिशन टेस्ट यह परीक्षा लाखों अभ्यर्थियों में से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान करती है। इसकी खासियत है कि यह देशभर के युवाओं को समान मंच प्रदान करती है। भौगोलिक स्थिति, विश्वविद्यालय या सामाजिक पृष्ठभूमि चाहे जो हो, सभी का मूल्यांकन एक ही कसौटी पर होता है। सीएटी ने यह सिद्ध किया है कि बड़े स्तर पर भी निष्पक्ष और मानकीकृत परीक्षा संभव है, मगर यह सिर्फ एक लिखित परीक्षा भर है और इसके परिणाम घोषित होते ही प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग दिशाओं में बिखर जाती है।

इसका अर्थ यह है कि सीएटी उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक आईआईएम अपनी अलग आवेदन प्रणाली, अलग शुल्क और अलग साक्षात्कार प्रक्रिया चलाता है। एक छात्र एक ही स्कोर के आधार पर कई संस्थानों में आवेदन करता है और अलग-अलग शहरों में जाकर लगभग समान प्रकार के साक्षात्कार देता है। इस प्रक्रिया की प्रकृति भले मिलती-जुलती हो, लेकिन उसका संचालन पूरी तरह अलग-अलग होता है।

एक तथ्य यह भी है कि सीएटी के स्कोर का उपयोग आईआईएम के अलावा कई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान , राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और अन्य सरकारी एवं निजी संस्थान भी करते हैं। हर संस्थान अपनी अलग चयन प्रक्रिया आयोजित करता है। नतीजतन, विद्यार्थी को समान प्रकृति के अनेक साक्षात्कारों से गुजरना पड़ता है। यह पुनरावृत्ति समय, संसाधन और ऊर्जा की अनावश्यक खपत है। दोहराव विद्यार्थियों के लिए प्रशासनिक, सामाजिक एवं आर्थिक बोझ बन जाता है। सबसे पहले आर्थिक पक्ष सामने आता है। हर आवेदन के साथ शुल्क, साक्षात्कार के लिए यात्रा और ठहरने का खर्च तथा कई बार कार्य या पढ़ाई से अनुपस्थिति की कीमत–सब मिलकर एक बड़ा वित्तीय दबाव बनाते हैं। छोटे शहरों या सीमित आय वाले परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह चरण विशेष रूप से कठिन हो सकता है। कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल इसलिए सभी अवसरों का लाभ नहीं उठा पाते, क्योंकि वे हर शहर तक पहुंचने का खर्च वहन नहीं कर सकते। यदि उत्कृष्टता तक पहुंच आर्थिक सामर्थ्य पर निर्भर होने लगे, तो योग्यता की अवधारणा कमजोर पड़ जाती है।

आर्थिक बोझ के साथ मानसिक और सामाजिक दबाव भी जुड़ा होता है। प्रवेश सत्र के दौरान छात्रों को कम समय में कई यात्राएं करनी पड़ती हैं। तिथियों का टकराव, अनिश्चितता और बार-बार मूल्यांकन की प्रक्रिया तनाव बढ़ाती है। महिला उम्मीदवारों और दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा एवं ठहराव की चिंता अतिरिक्त चुनौती बन जाती है। प्रश्न यह है कि क्या इस स्थिति को किसी भी विद्यार्थी-हितैषी व्यवस्था के अनुरूप देखा जा सकता है?

इस संदर्भ में सिर्फ विद्यार्थियों को नहीं, बल्कि संस्थानों को भी समन्वित व्यवस्था के अभाव का दुष्परिणाम झेलना पड़ता है। एक मेधावी छात्र को कई आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी इत्यादि से प्रस्ताव मिल सकते हैं। वह अपनी पसंद का इंतजार करते हुए अन्य संस्थानों में अस्थायी रूप से सीट स्वीकार करता है और शुल्क राशि जमा कर देता है। इससे बड़ी धनराशि महीनों तक फंसी रहती है। जब छात्र अंतिम निर्णय लेता है, तो दूसरी जगह जहां उसने शुल्क राशि जमा की है, वहां सीटें खाली हो जाती हैं और प्रतीक्षा सूची को फिर से अद्यतन करना पड़ता है। पूरी प्रक्रिया लंबी और अनिश्चित बन जाती है, जिससे प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

हालांकि हाल के वर्षों में कुछ नए आईआईएम ने कॉमन एडमिशन प्रोसेस जैसी पहल शुरू की है, जहां साझा साक्षात्कार आयोजित किए जाते हैं। कुछ अन्य ने संयुक्त प्रवेश प्रक्रिया जैसी व्यवस्थाओं का प्रयोग किया है, मगर ये व्यवस्थाएं स्थायी और सार्वभौमिक नहीं हैं। सभी आईआईएम इनमें शामिल नहीं होते और समूहों की संरचना बदलती रहती है। इससे आंशिक समन्वय तो दिखता है, मगर मूल समस्या का समाधान नहीं होता।

देखा जाए तो आज लगभग हर राज्य में कोई न कोई केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थान मौजूद हैं, जोकि अपने आप में एक अवसर है। यदि सीएटी के बाद एक मानकीकृत साझा साक्षात्कार प्रक्रिया इन क्षेत्रीय केंद्रों पर आयोजित की जाए, तो छात्र अपने निकटतम शहर में इस प्रवेश प्रक्रिया में आसानी से उपस्थित हो सकते हैं। जिसके बाद एक पारदर्शी केंद्रीय काउंसलिंग प्रणाली के माध्यम से सीट आवंटन किया जा सकता है, जिसमें संस्थानों की प्राथमिकता, विद्यार्थियों की रैंक और आरक्षण नीति का संतुलित समावेश हो।

इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश प्रणाली में इस प्रकार की केंद्रीकृत व्यवस्था पहले से लागू है। हर संस्थान अपने चयन मानदंड और शैक्षणिक मानकों के अनुरूप एकीकृत साक्षात्कार प्रक्रिया को अमल में ला सकता है। यह प्रक्रिया के दोहराव को समाप्त करने की दिशा में एक अहम पहल हो सकती है, जिससे संचालन तंत्र की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी, साथ ही सीएटी के मूल उद्देश्य तक पहुंचना भी संभव हो जाएगा। यानी एक ऐसी प्रवेश प्रक्रिया, जिसमें सभी प्रबंधन संस्थानों की एक ही मंच के माध्यम से लिखित परीक्षा, साक्षात्कार, काउंसलिंग और शुल्क जमा करने की व्यवस्था हो। भारत आज वैश्विक शिक्षा केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केवल उत्कृष्ट संस्थान ही नहीं, बल्कि निष्पक्ष और सुव्यवस्थित प्रवेश प्रणाली का होना भी आवश्यक है। यहां प्रश्न क्षमता का नहीं, इच्छाशक्ति का है। क्या हम ऐसी व्यवस्था बनाने पर गंभीरता से विचार करेंगे, जो विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके समय, धन और ऊर्जा का सम्मान एवं संरक्षण करे? क्या हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उत्कृष्टता तक पहुंच केवल प्रतिभा पर निर्भर हो, साधनों पर नहीं? अगर योग्यता को अवसर का आधार बनाना है, तो प्रवेश प्रक्रिया को भी उतना ही सुगम और सरल बनाना होगा।

जब अस्पताल में किलकारी के साथ गूंजी आवाज - दामाद हुआ है, दामाद...

पहले मां की हर बात जरूरी होती थी, अब सासु मां की हर बात फैसला

सुशील कुमार जैन
लेखक एवं स्तंभकार

सबसे पहले आज्ञाकारी दामादों को लेखक का प्रणाम!

दरअसल यह लेख बिगड़े सुपुत्रों के लिए लिखा गया है, इसलिए संस्कारी दामाद कृपया इसे अपने ऊपर लागू न करें और अपना श्रेष्ठ कार्य जारी रखें।

कभी-कभी मन में एक प्रश्न बार-बार उठता है कि जब आज के समय में कई संतानें अपने ही माता-पिता के प्रति संवेदनहीन होती जा रही हैं, तब वही समर्पण, वही आज्ञाकारिता और वही सेवा भाव कुछ दामादों में आखिर आता कहां से है?

यह प्रश्न वर्षों तक केवल एक जिज्ञासा बना रहा, लेकिन एक दिन जीवन ने स्वयं इसका उत्तर मेरे सामने ला खड़ा किया।

करीब चार-पांच वर्ष पहले की बात है। एक शाम अस्पताल के बाहर काफी बेचैनी का माहौल था। ऑपरेशन थिएटर की लाल बत्ती लगातार जल-बुझ रही थी। कोई नर्स तेजी से अंदर जा रही थी, कोई डॉक्टर बाहर आकर निर्देश देकर फिर लौट जाता था। मैं अपने बचपन के सबसे करीबी मित्र के साथ वहां मिठाई का डिब्बा लेकर खड़ा था। उसके घर नए मेहमान के आने का इंतजार था।

समय धीरे-धीरे बीत रहा था। तभी अचानक ऑपरेशन थिएटर का दरवाजा खुला। एक नर्स मुस्कुराते हुए बाहर आई। उसकी गोद में कपड़ों में लिपटा नवजात था। उसने जोर से कहा –

दामाद हुआ है... दामाद पैदा हुआ है!

एक पल के लिए पूरा माहौल शांत हो गया। मैं और मेरा मित्र एक-दूसरे का चेहरा देखने लगे। लड़का हुआ है या लड़की हुई है - यह तो हमेशा सुना था, लेकिन दामाद पैदा हुआ है... यह पहली बार सुन रहे थे।

मेरे मित्र के चेहरे पर हल्का गुस्सा दिखाई दिया। वह कुछ कहने आगे बढ़ा, लेकिन मैंने उसका हाथ पकड़ लिया। थोड़ी देर बाद मैं उसी नर्स को अस्पताल की कैंटीन में ले गया। उसके लिए चाय मंगवाई और मुस्कुराकर पूछा –

सिस्टर, ये दामाद वाला नया सिस्टम कब से शुरू हुआ?

पहले वह हल्का मुस्कुराई, लेकिन अगले ही पल उसकी आंखों में नमी उतर आई। उसने धीमी आवाज में कहा –

साहब... यह मजाक नहीं था, यह मेरे जीवन का दर्द है।

मैं चुपचाप उसकी बातें सुनने लगा।

वह बोली –

मैंने अपनी पूरी जिंदगी अस्पताल की ड्यूटी और अपने बेटे को बड़ा करने में निकाल दी। पति जल्दी चले गए थे। खुद पुराने कपड़े पहन लिए, लेकिन बेटे की फीस कभी नहीं रोकी। मुझे लगता था कि बुढ़ापे में वही मेरा सहारा बनेगा।

उसकी आवाज भर्रा गई।

फिर उसने कहा –

जब नौकरी लगी और शादी हुई, तो धीरे-धीरे सब बदल गया। पहले मां की हर बात जरूरी होती थी, अब सास-ससुर की हर बात अंतिम निर्णय बन गई। पहले मेरी दवा पूछता था, अब महीनों फोन तक नहीं करता। मैं मां से धीरे-धीरे केवल एक पुरानी जिम्मेदारी बनकर रह गई।

उसकी बातें केवल शिकायत नहीं थीं, बल्कि एक मां के टूटते विश्वास की कहानी थीं।

कुछ देर के लिए कैंटीन में सन्नाटा छा गया। बाहर अस्पताल में नए जीवन के आने की खुशी थी, लेकिन यहां एक मां अपने अकेलेपन का दर्द सुना रही थी। उस दिन अस्पताल से लौटते समय मेरे हाथ में मिठाई का डिब्बा जरूर था, लेकिन मन में एक बड़ा प्रश्न था –

क्या सच में आज का समाज बेटों को बेटा कम और केवल दामाद ज्यादा बना रहा है?

दरअसल, इस सोच की जड़ें हमारे सामाजिक संस्कारों में भी कहीं न कहीं छिपी हुई हैं। बचपन से बच्चों से कहा जाता है - बेटा खूब पढ़-लिख लो, अच्छी नौकरी लग जाएगी, फिर अच्छी जगह शादी हो जाएगी। धीरे-धीरे पढ़ाई का उद्देश्य ज्ञान या संस्कार नहीं, बल्कि आकर्षक विवाह और सामाजिक प्रतिष्ठा बनता जा रहा है।

समस्या दामाद बनने में नहीं है। समस्या तब शुरू होती है, जब बेटा अपने माता-पिता के त्याग और प्रेम को पीछे छोड़ देता है। अच्छा पति और अच्छा दामाद बनना गलत नहीं, लेकिन उसी के साथ अच्छा बेटा बने रहना भी उतना ही आवश्यक है।

इसी बीच अचानक धर्मपत्नी जी आ धमकीं। आते ही बोलीं –

तुमसे किसी की खुशियां बर्दाश्त क्यों नहीं होती हैं क्या?

उठो उस कुर्सी से और मुझे लेख संभालने दो!

फिर धीरे से बोलीं –

मैं आप सबको कान में एक बात बताना चाहती हूं... अगर मैं ज्यादा लिखूंगी तो ये भी पढ़ लेंगे... इसलिए धीरे-धीरे सुनो...

भगवान के यहां अब हमारी पसंद के अनुसार दामादों के नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार हो रहे हैं। जिसे जैसा चाहिए, वैसा ही दामाद मिलेगा।

फिर मेरी तरफ देखकर बोलीं –

जिसके भाग्य में जैसा दामाद लिखा है, वैसा ही मिलेगा। इसलिए सब लोग खुश रहिए, मुस्कुराइए और दूसरों की खुशियों में भी आनंद लीजिए।

और सच कहूं तो उस दिन पहली बार मुझे लगा कि मेरी धर्मपत्नी कितनी बुद्धिमान है। अगर यह बात पहले बता देतीं, तो मैं यह पूरा लेख लिखकर अपना समय खराब ही नहीं करता।

लेकिन जो होना था, वो हो गया।

और शायद वही सच्ची पीड़ा उस नर्स की आवाज बनकर बाहर आई थी –

दामाद हुआ है....

सार-समाचार

पक्षियों की प्यास बुझाने का बना जनआंदोलन, जल पात्र वितरित किए

अनोखा तीर, खंडवा। भीषण गर्मी में प्यास से तड़पती एक गोरैया को देखकर शुरू हुआ सेवा का भाव आज बड़ा जनआंदोलन बन चुका है। राष्ट्रीय पक्षी बचाओ अभियान के प्रमुख शंखपुष्पी महाराज उर्फ पंछी सर ने वर्ष 1998 से शुरू किए गए अभियान के तहत अब तक 10 लाख 16 हजार से अधिक पक्षी जल पात्र निशुल्क वितरित कर अनूठी मिसाल पेश की है। कलेक्टर

कार्यालय परिसर में स्वर्गीय रामलाल धनगया की स्मृति में 1000 पक्षी जल पात्रों के निशुल्क वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं जल पात्रों का पूजन कर किया। इसके बाद उन्होंने स्वयं वृक्षों पर जल पात्र बांधकर पक्षियों को पानी उपलब्ध कराने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शंखपुष्पी महाराज ने कहा कि पशु-पक्षी, वन, नदियां और प्रकृति ईश्वर का स्वरूप हैं। पक्षियों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने लोगों से अपने घरों, दुकानों और कार्यालयों के बाहर जल पात्र रखने की अपील की। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि शंखपुष्पी महाराज वर्तमान में शासकीय आईटीआई में प्रशिक्षण अधिकारी हैं। शुरुआत में वे साइकिल से गांव-गांव जाकर अपने खर्च पर सकोरे बांटते थे। धीरे-धीरे लोग अभियान से जुड़ते गए और आज यह अभियान मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों तक पहुंच चुका है। संयुक्त कलेक्टर बडोले ने इसे पर्यावरण संरक्षण का जनआंदोलन बताया, जबकि पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने कहा कि प्रत्येक जीव को जीने का अधिकार है और पक्षियों की रक्षा मानवता की सच्ची सेवा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। सभी को निशुल्क जल पात्र वितरित कर पक्षियों के संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

युवाओं ने निभाई मानवता, संकीत चंद्रे का कराया अंतिम संस्कार

अनोखा तीर, खंडवा। दादाजी की नगरी खंडवा में बुधवार को मानवता और सेवा की मिसाल देखने को मिली। जवाहरगंज चिड़िया मैदान निवासी 38 वर्षीय संकीत चंद्रे का जिला अस्पताल में निधन हो गया। वे नगर निगम में मोहर्रिर रहे स्वर्गीय हेमंत चंद्रे के पुत्र थे। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि संकीत चंद्रे अपनी बुजुर्ग मां के साथ रहते थे और मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण आगे की पढ़ाई एवं अन्य कार्य नहीं कर सके। उनके निधन के बाद क्षेत्र के युवाओं ने आगे आकर अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाई। जवाहरगंज के बंटी भांवरे, शुभम चावरे, रोहन यादव, शिवम शर्मा, मोनू सोनी, संजय वर्मा एवं अन्य युवाओं ने राजा हरिश्चंद्र मुक्तिधाम पहुंचकर गैस चलित शवदाह गृह में संकीत चंद्रे का अंतिम संस्कार कराया। सुनील जैन ने बताया कि नगर निगम द्वारा निर्मित गैस चलित शवदाह गृह में यह दूसरा अंतिम संस्कार किया गया है।

भीषण गर्मी में पुलिस जवानों को एसपी ने पहुंचाया कैरी का पना

अनोखा तीर, खंडवा। शहर में लगातार बढ़ रही गर्मी के बीच पुलिस अधीक्षक अगम जैन की संवेदनशील पहल सामने आई है। शहर की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस जवानों को राहत देने के लिए विभिन्न ड्यूटी स्थलों पर कैरी का पना वितरित कराया गया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि शहर के

प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस जवान तेज धूप और उमस के बीच लगातार मुस्तैदी से ड्यूटी कर रहे हैं। जवानों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में यह विशेष व्यवस्था की गई। पुलिसकर्मियों को उनके ड्यूटी प्वाइंट पर ही ठंडा कैरी पना उपलब्ध कराया गया, जिससे उन्हें गर्मी से राहत मिली। इस पहल से जवानों में उत्साह भी देखने को मिला। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस बल का स्वास्थ्य और मनोबल बनाए रखना विभाग की प्राथमिकता है। पुलिस विभाग की इस पहल की शहरवासियों ने भी सराहना की है। लोगों ने इसे भीषण गर्मी में ड्यूटी कर रहे जवानों के प्रति संवेदनशील और प्रेरणादायक कदम बताया।

शिवाजी चौक हनुमान मंदिर का स्थापना दिवस श्रद्धा और उत्साह से मनाया

अनोखा तीर, खंडवा। शिवाजी चौक स्थित हनुमान मंदिर का चौथा स्थापना दिवस गुरुवार को धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। शिवाजी चौक गणेश मंडल के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि स्थापना दिवस पर प्रात:काल भगवान हनुमान का अभिषेक, श्रृंगार, पूजन एवं हवन किया गया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसादी

ग्रहण की। कार्यक्रम में गणेश मंडल के कार्यकर्ता अनिल केलहारकर, किशोर सोनगरा, सोनू भाई, एलो श्रीवास, सागर कुशवाहा और राहुल नामदेव सहित अन्य कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तनवे ने श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजन-अर्चन किया तथा अन्नकूट महोत्सव में शामिल होकर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की। उन्होंने मंदिर परिसर स्थित गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में भी दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस दौरान विधायक श्रीमती तनवे ने मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार कराने की बात भी कही। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष प्रदीप यादव, डॉ. अनीश अरझरे, संदेश गुप्ता, टिंकू राठौड़, दीप सिंह झाला, सुनील जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

मुस्लिम समाज ने ईद-उल-अजहा पर निकाला जुलूस, ईदगाह पर अदा की नमाज

अनोखा तीर, बड़वाह। स्थानीय मुस्लिम समाज ने गुरुवार सुबह ईद-उल-अजहा पर जामा मस्जिद चौक से जुलूस निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन और छोटे बच्चे शामिल हुए। यह जुलूस शहर के एमजी रोड, मुख्य चौराहा, इंदौर रोड होते हुए आदर्श नगर स्थित ईदगाह परिसर पहुंचा, जहां समाजजनों की उपस्थिति में शहर काजी मौलाना रेहान रजा साहब ने ईद की नमाज अदा कराई। मुस्लिम अंजुमन कमेटी के सदस्यों ने कहा कि आज ईद-उल-अजहा का त्योहार पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। समाजजनों द्वारा ईदगाह पर ईद की नमाज अदा की गई। इस दौरान शहर काजी मौलाना रेहान रजा साहब ने वतन और शहर के अमन-ओ-अमान, खुशहाली व भाईचारे के लिए दुआएं मांगी। उन्होंने ईद की सभी शहरवासियों को मुबारकबाद दी। साथ ही ईदगाह पर सभी समाजजनों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह पर नमाज के साथ ही नगर की कदीमी मस्जिद, डिपो मस्जिद, आदर्श नगर व बजरंग घाट स्थित मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। जबकि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक अमले के अधिकारी एसडीएम सत्यनारायण दर्रा, एसडीओपी श्रीमती अर्चना रावत, तहसीलदार शिवराम कनासे, थाना प्रभारी बलराम सिंह राठौर, नायब तहसीलदार विजयपाल सिंह चौहान सहित पुलिस अमला मौजूद रहा।

स्वच्छ खरगोन की ओर बढ़ते कदम

अब बदल रहा है खरगोन

● स्वास्थ्य अधिकारी प्रकाश चित्ते के आते ही पटरी पर लौटी सफाई व्यवस्था

● सफाई व्यवस्था में दिखने लगा असर

अनोखा तीर, खरगोन।

शहर की चरमराई सफाई व्यवस्था अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटती दिखाई दे रही है। लंबे समय से गंदगी, अनियमित कचरा संग्रहण और स्थिति बन जाती थी। नागरिकों में नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी थी, लेकिन अब हालात बदलते नजर आ रहे हैं। सफाई व्यवस्था को लेकर न केवल मॉनिटरिंग बढ़ी है, बल्कि

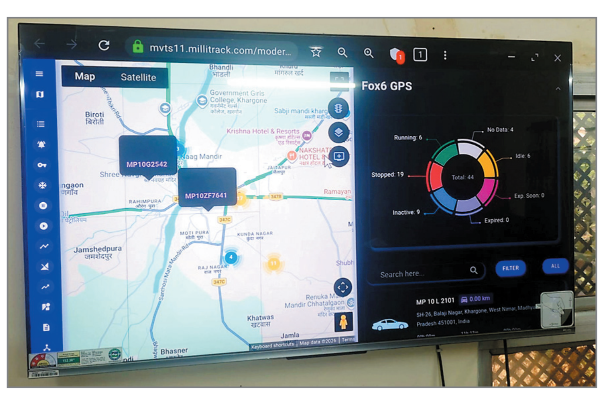

जाम नालों की समस्या से जूझ रहे शहर में अब बदलाव की तस्वीर सामने आने लगी है। नगर पालिका में स्वास्थ्य अधिकारी प्रकाश चित्ते के पदभार संभालने के बाद सफाई व्यवस्था में तेजी से सुधार देखने को मिल रहा है।

● पहले बदहाल थी व्यवस्था- कुछ समय पहले तक शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। कई वार्डों में समय पर कचरा नहीं उठता था, सड़कों पर गंदगी पसरी रहती थी और नालों की सफाई वर्षों से नहीं होने के कारण बारिश के समय जलभराव की फील्ड स्तर पर भी सक्रियता दिखाई दे रही है।

● वर्षों बाद नालों की व्यापक सफाई- वर्षा ऋतु से पहले शहर के कई बड़े और पुराने नालों की विशेष सफाई कराई गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन नालों की वर्षों से ठीक तरीके से सफाई नहीं हुई थी, वहां अब मशीनों और कर्मचारियों की मदद से अभियान चलाकर गाद और कचरा हटाया गया। इससे बारिश के दौरान जलभराव और गंदगी की समस्या कम होने की उम्मीद बढ़ी है।

● तकनीक और जवाबदेही का मॉडल- नगर पालिका द्वारा अपनाया गया जीपीएस आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम अब जवाबदेही तय करने का माध्यम बन रहा है। कौन-सा वाहन किस वार्ड में पहुंचा, कितना समय रुका और किस मार्ग से गुजरा – इसकी पूरी जानकारी अब कार्यालय स्तर पर उपलब्ध हो रही है। इससे लापरवाही पर रोक लगाने में मदद मिल रही है।

● स्वच्छ शहर की ओर बढ़ते कदम- नगर पालिका की यह पहल साफ संकेत दे रही है कि यदि तकनीक, निगरानी और फील्ड एक्टिविटी को साथ लेकर काम किया जाए, तो शहर की व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। खरगोन में अब सफाई व्यवस्था को लेकर जो सुधार दिखाई दे रहा है, उसने नागरिकों में भी उम्मीद जगाई है कि आने वाले समय में शहर और अधिक स्वच्छ एवं व्यवस्थित रूप में नजर आएगा।

नगर पालिका की स्मार्ट पहल, कचरा गाड़ियों पर जीपीएस सिस्टम

शहर के 33 वार्डों में संचालित कचरा संग्रहण वाहनों पर जीपीएस सिस्टम लगाकर उनकी मॉनिटरिंग शुरू की गई है। अब वाहनों की लोकेशन और रूट की निगरानी सीधे कार्यालय से की जा रही है। इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वाहन तय समय पर वार्डों में पहुंचें और नियमित रूप से कचरा संग्रहण हो। नगर पालिका की इस तकनीकी पहल का असर अब शहर की सड़कों और मोहल्लों में दिखाई देने लगा है। नागरिकों का कहना है कि पहले की तुलना में अब नियमित सफाई दिखाई दे रही है और कचरा संग्रहण व्यवस्था भी अधिक व्यवस्थित हुई है।

अनाथ एवं असहाय बच्चों को आधार कार्ड बनाने में मिलेगी राहत

अनोखा तीर, खंडवा। अनाथ, असहाय एवं विशेष परिस्थितियों में रह रहे बच्चों की पहचान संबंधी समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। अब ऐसे बच्चों के आधार कार्ड बनाने में आने वाली दस्तावेजी और तकनीकी बाधाओं को दूर करने के लिए बाल कल्याण समिति द्वारा जारी विधिक संरक्षक आदेश को मान्यता दी गई है। समाजसेवी एवं प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि बाल कल्याण समिति खंडवा के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने इसे बच्चों के संवैधानिक और मानवीय अधिकारों की दिशा में अहम कदम बताया है। उन्होंने कहा कि कई बच्चे माता-पिता के निधन या पारिवारिक विघटन के कारण रिश्तेदारों अथवा संरक्षण संस्थाओं में रह रहे हैं, जिससे उन्हें पहचान और शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी होती है। जानकारी के अनुसार कई मामलों में जन्म प्रमाण पत्र में माता-पिता का नाम दर्ज होने के बावजूद उनकी अनुपस्थिति के कारण आधार कार्ड बनवाने में बायोमेट्रिक सत्यापन की समस्या सामने आ रही थी। इस समस्या के समाधान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं यूआईडीएआई भोपाल कार्यालय के समन्वय से व्यवस्था बनाई गई है। अब किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 27 के अंतर्गत गठित बाल कल्याण समिति द्वारा विधिक संरक्षक आदेश जारी होने पर बच्चों का आधार कार्ड विधिक संरक्षक के बायोमेट्रिक आधार पर बनाया जा सकेगा। प्रवीण शर्मा ने कहा कि आधार कार्ड केवल पहचान पत्र नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं तक पहुंच का माध्यम है। उन्होंने समाज और प्रशासन से ऐसे बच्चों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने और उन्हें समय पर संरक्षण व सहयोग देने की अपील की।

महंगाई, खाद संकट और फार्मर आईडी को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

अनोखा तीर, खंडवा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रदेश महासचिव एवं किसान कांग्रेस नेता गजेंद्र सिंह सोलंकी ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि महंगाई से आमजन परेशान हैं, लेकिन सरकार राहत देने के बजाय टैक्स वसूली और कॉर्पोरेट हितों को बढ़ावा देने में लगी है।

सोलंकी ने कहा कि वर्ष 2014 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगभग 105 डॉलर प्रति बैरल होने पर पेट्रोल करीब 72 रुपए प्रति लीटर था, जबकि बाद में कच्चे तेल के दाम घटने के बावजूद पेट्रोल की कीमतों में अपेक्षित कमी नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कई राज्यों में पेट्रोल 95 से 105 रुपए प्रति लीटर तक बिकता रहा, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा। उन्होंने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में अव्यवस्थाओं और डिजिटल प्रक्रिया के नाम पर किसानों को परेशान किए जाने का आरोप भी लगाया। सोलंकी ने कहा कि बिना फार्मर आईडी खाद और शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिलने से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कई किसान प्रक्रिया को समझ नहीं पा रहे हैं, जिससे खाद प्राप्त करने में परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि वन एवं राजस्व पट्टा धारक, डूब क्षेत्र के किसान और संयुक्त खाताधारकों के सामने खाद संकट गहरा गया है।

मछुआरों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

देजला में सजी रात्रि मछुआ चौपाल

● केज कल्चर से बढ़ेगी मछुआरों की आय

अनोखा तीर, खरगोन। जिले के ग्राम देजला में कृषक कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत मत्स्य विभाग द्वारा रात्रि मछुआ चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मछुआरों और मत्स्य पालकों को मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आधुनिक और लाभकारी मत्स्य पालन से जोड़ना रहा। चौपाल में आदिवासी मत्स्य सहकारी समिति देजला-देवाड़ा के सदस्यों सहित खारकबांध समिति सदस्य, भाग्यापुर, करही एवं भगवानपुरा के मत्स्य पालक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

केज कल्चर बना आकर्षण का केंद्र- कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि केज कल्चर आधुनिक मछली पालन की स्मार्ट तकनीक है, जिससे सीमित निवेश में अधिक आय अर्जित की जा सकती है। जलाशयों का बेहतर उपयोग, ग्रामीण युवाओं को रोजगार, उच्च गुणवत्ता वाली मछलियों का उत्पादन और पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने में यह तकनीक बेहद उपयोगी साबित हो रही है।

जिले के पांच बड़े जलाशय – देजला-देवाड़ा, खारक, अपरवेदा, सतसोई एवं साटक में हितग्राही मॉडल अंतर्गत केज स्थापना के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके लिए संचालनालय मत्स्योद्योग, भोपाल द्वारा विज्ञप्ति जारी की गई है तथा आवेदन की अंतिम तिथि 7 जून

2026 निर्धारित की गई है।

प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना की दी जानकारी- मत्स्य निरीक्षक गोपाल पाटीदार ने चौपाल में उपस्थित मत्स्य पालकों को प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत जलकृषि बीमा, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन आवेदन, प्रीमियम पर 40 प्रतिशत प्रोत्साहन सहायता तथा अधिकतम एक लाख रुपए तक लाभ दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत रोग, प्रदूषण, जैविक जोखिम, बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान पर सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी।

मछुआरों की समस्याओं का समाधान ही मुख्य उद्देश्य- सहायक संचालक मत्स्योद्योग रमेश मौर्य ने कहा कि मछुआ चौपाल का उद्देश्य मछुआरों तक योजनाओं की जानकारी सरल तरीके से पहुंचाना और मछली पालन से जुड़ी समस्याओं का मौके पर समाधान करना है। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर यह नई पहल शुरू की गई है, ताकि अधिक से अधिक मत्स्य पालक योजनाओं का लाभ उठा सकें।

स्वास्थ्य विभाग की टीकाकरण टीम पर हमला

आवारा कुत्तों को पकड़ने गई टीम से अभद्रता

नगर पालिका ने दर्ज करवाई एफआईआर

अनोखा तीर, खरगोन। शहर में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक को नियंत्रित करने के लिए चलाया जा रहा नगर पालिका का टीकाकरण और नसबंदी अभियान उस समय विवादों में आ गया, जब शहर के गांधी नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों को पकड़कर टीकाकरण का कार्य कर रही नपा ठेकेदार कंपनी की टीम के साथ कथित मारपीट की घटना सामने आई। घटना का वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने पूरे मामले को और गर्मा दिया है।

बताया जा रहा है कि नगर पालिका द्वारा उज्जैन की एक

फाउंडेशन को एक वर्ष के लिए शहर में घूम रहे आवारा कुत्तों के टीकाकरण और पशु जन्म नियंत्रण (नसबंदी) का जिम्मा सौंपा गया है। शहर में लगातार सामने आ रहे डॉग बाइट के मामलों और आम जनता की शिकायतों के बाद यह अभियान तेज किया गया था।

बुधवार सुबह फाउंडेशन की टीम गांधी नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों को पकड़ने पहुंची थी। इसी दौरान स्थानीय निवासी उषा राठौड़ और उनके पुत्र द्वारा कर्मचारियों को कुत्ते पकड़ने से रोकने की बात सामने आई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मामला कथित मारपीट तक पहुंच गया।

फाउंडेशन कर्मचारी सुनील चौहान ने आरोप लगाया कि टीम के साथ अभद्रता की गई और बाद में हमला कर दिया गया। घटना के बाद कर्मचारियों में भय और आक्रोश का माहौल बन गया। कंपनी द्वारा पूरे मामले की जानकारी नगर पालिका को दी गई, जिसके बाद नपा प्रशासन हरकत में आया।

नगर पालिका मुख्य अधिकारी कमला कौल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली थाने में कार्रवाई के लिए आवेदन दिया।

राठौर समाज की बैठक में नई कार्यकारिणी गठन पर चर्चा

अनोखा तीर, खंडवा। राठौर समाज की बैठक अध्यक्ष दीपक राठौर एवं सचिव महेश राठौर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा वर्ग एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत समाज के सदस्यों के सहयोग और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त कर की गई। अमित राठौर ने बताया कि बैठक में समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा आगामी सामाजिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान वीर दुर्गादास राठौर जयंती को भव्य एवं गरिमामय रूप से मनाने को लेकर समाजजनों ने सुझाव दिए। आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां तय करने पर भी सहमति बनी। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि बैठक में नई युवा कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी के गठन को लेकर भी मंथन किया गया। समाजहित में सक्रिय युवाओं को संगठन में अवसर देने और नई ऊर्जा के साथ समाज को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में सामाजिक गतिविधियों को गति देने, युवाओं को समाज से जोड़ने और आपसी समन्वय मजबूत करने का संकल्प भी लिया गया।

सार-समाचार

नल में गंदा पानी आने पर नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण

● ठेकेदार को जलापूर्ति दुरुस्त करने के सख्त निर्देश, नल में गंदा पानी को लेकर लगाई फटकार

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। भीषण गर्मी से पहले ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नायब तहसीलदार पूनमसिंह सलामे ने ग्राम पंचायत शिवपुर में नल-जल योजना का औचक निरीक्षण किया। गंदा और काला पानी आने पर ठेकेदार को पूरी पाइप लाइन चेक करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, उपयंत्री एवं

सहायक यंत्री भी मौजूद रहे। नायब तहसीलदार ने योजना के शेष बचे कार्यों को लेकर ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई और सभी कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदार को कहा कि पाइपलाइन की पूरी तरह जांच की जाए, नली या नाले से पाइपलाइन को अटैच न किया जाए। घरों तक स्वच्छ पानी पहुंचना सुनिश्चित करें, पानी में गंदगी न आए टंकी एवं पाइपलाइन का नियमित संधारण हो, जलापूर्ति में किसी भी तरह की बाधा न आए। इसके साथ ही नायब तहसीलदार ने ग्राम पंचायत को योजना के सुचारू संचालन के लिए तत्काल एक नया ऑपरेटर नियुक्त करने के निर्देश दिए, ताकि हर घर तक लगातार स्वच्छ पेयजल पहुंच सके। ग्राम शिवपुर में नल-जल योजना के तहत 375 किलोलीटर क्षमता की उच्च स्तरीय पानी की टंकी का निर्माण पूरा हो चुका है। तीन सफल नलकूपों से पानी एकत्र कर टंकी के माध्यम से पूरे गांव में आपूर्ति की जा रही है। इस योजना से ग्रामीणों को घर-घर स्वच्छ पेयजल मिल रहा है और गर्मी में पेयजल संकट से बड़ी राहत मिली है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधायक ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। बघवाड़ा स्थित कार्यालय में विधायक प्रेमशंकर वर्मा द्वारा नागरिकों की समस्या सुनी गई। जिसमें क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में नागरिक, कार्यकर्ता एवं आमजन अपनी समस्याएं और सुझाव लेकर पहुंचे। विधायक वर्मा ने सभी से आत्मीय मुलाकात करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा आवश्यक विषयों पर

विस्तार से चर्चा की। समस्याओं में सड़क, बिजली, पानी, राजस्व एवं अन्य जनहित से जुड़े विषय प्रमुख रूप से सामने आए। समस्याओं के निराकरण के लिए विधायक ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कई मामलों में मौके पर ही दूरभाष के माध्यम से अधिकारियों से चर्चा कर समाधान की प्रक्रिया प्रारंभ कराई गई। इस अवसर पर विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने कहा, मेरा सदैव प्रयास रहता है कि क्षेत्र की जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समय पर समाधान हो जनता जनार्दन का विश्वास एवं स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान कराना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। क्षेत्र के विकास एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। पहुंचे सभी नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान एवं विकास कार्यों के लिए उनका लगातार प्रयास रहेगा।

निःशुल्क परामर्श एवं जांच शिविर आयोजित

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। नगर में चल रहे राधा कृष्ण महाशक्ति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान कथा स्थल पर श्रीमती धनवंतरी बाई पटेल स्मृति हायर सेकेंडरी स्कूल के संचालक धर्मेंद्र सिंह पटेल एवं कृष्णकांत पटेल के मार्गदर्शन में नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें इंटरनेशनल हॉस्पिटल भोपाल के स्पेशलिस्ट डॉ. जयदीप सिंह एवं पल्लवी सिंह के द्वारा 120 मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श दिया गया।

मानव जीवन का लक्ष्य राम की प्राप्ति होना चाहिए : शांति श्रेया अयोध्या

अनोखा तीर, सेमरीहरचंद। नव दिवसीय श्री राधा कृष्ण महाशक्ति महायज्ञ के छठवें दिवस गुरुवार को स्वर्गीय धनवंती बाई पटेल स्मृति हाई सेकेंडरी स्कूल परिसर में आयोजित मानस प्रवचन में अयोध्या से पधारी कथा प्रवक्ता शांति श्रेया ने रामचरितमानस की मर्मस्पर्शी कथा हजारों श्रद्धालुओं के समक्ष प्रस्तुत की। शांति श्रेया ने भगवान राम के वनवास प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान राम जैसा आज्ञाकारी पुत्र इस पृथ्वी पर नहीं हो सकता। उन्होंने माता-पिता की वनवास की आज्ञा को

क्षण भर में स्वीकार करते हुए 14 वर्षों के लिए वन प्रस्थान किया। उन्होंने कहा कि हमारे मानव जीवन का परम लक्ष्य भगवान राम की प्राप्ति होनी चाहिए। कथा प्रवक्ता ने बताया कि भगवान राम का अवतार अनेक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हुआ था, जिनमें साधु-संतों की सुरक्षा, गौमाता की रक्षा और पृथ्वी पर हो रहे अत्याचारों का अंत करना प्रमुख थे। उन्होंने राजा दशरथ और माता कैकेयी के प्रसंग को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारा धर्म शाश्वत एवं स्थिर है, उसे बदला नहीं जा सकता, जबकि व्यवस्थाएं मोह-माया के वशीभूत होकर परिवर्तित हो जाती हैं। शांति श्रेया ने उपस्थित माताओं को संदेश देते हुए कहा कि यदि आप राम जैसा पुत्र चाहती हैं तो आपको माता कौशल्या जैसा आचरण अपनाना होगा। कथा के मध्य उन्होंने राम जैसा नगीना सारी दुनिया में नहीं एवं माया तेरी बहुत कठिन है जैसे मनमोहक भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। जिससे हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

ईदगाह में हुई ईद-उल-अजहा की विशेष नमाज़

● देश की तरक्की और हिफाज़त के लिए हुई दुआ

अनोखा तीर, सोहागपुर।

ईद उल अजहा का पर्व नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां ईद उल अजहा की विशेष नमाज ईदगाह में 8.30 बजे अदा की गई। ईद की नमाज वक्फ कायमखानी औलिया जामा मस्जिद के पेश इमाम हाफिजों कारी मरगूब रज़ा कादरी साहब द्वारा अदा कराई गई। जहां इमाम द्वारा नमाज के पूर्व कुर्बानी का महत्व बताते हुए कहा कि हसद, जलन, झूठ बोलना जैसी बुरी आदतों का त्याग भी एक तरह की कुर्बानी है। आगे हिदायत देते हुए कहा कि कुर्बानी करते समय दिखावा ना हो एवं कुर्बानी की तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड ना करें। वही बयान के बाद ईद की नमाज और दुआ की गई जिसमें विशेष रूप से मुल्क ए हिंदुस्तान में अमन चैन, शांति, तरक्की और हिफाजत की दुआ की गई। वही नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी एवं कब्रिस्तान पहुंचकर अपने पूर्वजों को याद कर मगफिरत की दुआ की। इस दौरान बशीर खान मैनेजर, अधिवक्ता शेर खान-हनीफ खान, सचिव शेख राशिद, वसीम खान, अजहर पटेल, जावेद खान, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, कांग्रेस नेता प्रशांत जायसवाल, जमील खान पार्षद, आरिफ खान, भास्कर मांझी सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

वक्फ मस्जिद कायमखानी द्वारा किए गए विशेष इंतजाम

कमेटी अध्यक्ष अनीस खान एवं जावेद खान द्वारा बताया गया कि प्रतिवर्ष अनुसार ईद उल अजहा की नमाज के लिए वक्फ़ मस्जिद कायमखानी कमेटी द्वारा ईदगाह में नमाजियों के लिए तमाम इंतजाम किए जाते है। वहीं मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष वसीम खान ने कहा कि प्रशासन द्वारा किए गए इंतजाम बेहद सराहनीय रहे। अंजुमन कमेटी उपाध्यक्ष आदाब खान द्वारा बेहतर व्यवस्थाओं और चाक-चौबंद सुरक्षा इंतजामों को लेकर प्रशासन का आभार व्यक्त किया गया।

प्रशासन रहा मुस्तैद

ईद की नमाज़ को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। एसडीएम प्रियंका भल्लावी, एसडीओपी संजू चौहान, थाना प्रभारी राहुल रैयकवार, तहसीलदार राकेश झरबड़े, नायब तहसीलडर रंजीत चौहान, आरआई नागेश निवरिया सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

● विवेकानंद घाट का निर्माण कार्य तत्काल रुकवाया

नर्मदा तट पर निर्माण पर प्रशासन सख्त

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल विवेकानंद घाट पर नर्मदा नदी किनारे चल रहे निर्माण कार्य पर आखिरकार प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए रोक लगा दी है। अतिरिक्त तहसीलदार द्वारा जारी आदेश के बाद बुधवार को निर्माण कार्य बंद करा दिया गया। कार्रवाई के बाद पूरे शहर में यह चर्चा तेज हो गई है कि संवेदनशील नदी तटीय क्षेत्र में आखिर इतने लंबे समय तक निर्माण कार्य कैसे चलता रहा और संबंधित विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की। प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार तहसीलदार नर्मदापुरम नगर के आदेश क्रं 197 दिनांक 27 मई 2026 के तहत नजूल शीट क्रं 46, प्लॉट नंबर 03 पर लगभग 900 वर्गफीट क्षेत्र में बनाए जा रहे निर्माणाधीन सदाव्रत भवन पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी गई है। यह निर्माण कार्य जनभागीदारी समिति विवेकानंद घाट के अध्यक्ष उमाशंकर चौबे द्वारा कराया जा रहा था। बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य नजूल शीट नंबर 46, प्लॉट नंबर 2/1 से संबंधित क्षेत्र में किया जा रहा था। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद अब यह सवाल उठ रहे हैं कि नर्मदा नदी के बेहद संवेदनशील और प्रतिबंधित माने जाने वाले क्षेत्र में निर्माण की अनुमति किस आधार पर दी गई थी। सूत्रों के मुताबिक गंगा दशहरा और जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के विवेकानंद घाट आगमन के समय जिला प्रशासन और नगर पालिका अधिकारियों के संज्ञान में यह मामला आया। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और तत्काल जांच शुरू की गई। नगरपालिका सीएमओ ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कार्रवाई की है। वहीं नगर पालिका की उपयंत्री रीना गुप्ता ने पूर्व में इस निर्माण की जानकारी नहीं होने की बात कही थी और जांच कराने की बात कही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि नर्मदा नदी किनारे लगभग 300 मीटर के दायरे में निर्माण कार्य प्रतिबंधित माना जाता है। इसके बावजूद महीनों तक

निर्माण कार्य जारी रहना प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े करता है। लोगों ने यह भी आशंका जताई कि यदि भवन निर्माण पूरा हो जाता तो शौचालय और गंदे पानी की निकासी जैसी व्यवस्थाओं का सीधा असर नदी की स्वच्छता पर पड़ सकता था। वहीं जिस स्थान पर निर्माण कार्य किया जा रहा था, वहां ऊपरी हिस्से में लैंड स्लाइडिंग का खतरा भी बताया जा रहा है। नगर पालिका पहले ही इस क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दे चुकी है। ऐसे में संवेदनशील स्थल पर निर्माण की अनुमति और सुरक्षा मानकों को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार मामले की जानकारी कलेक्टर तक पहुंचने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और अतिरिक्त तहसीलदार द्वारा तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य रोकने के आदेश जारी किए गए। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुटा हुआ है और संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

बाढ़ रोकने नगर पालिका का विशेष अभियान

बारिश से पहले जेसीबी से नालों की सफाई

अनोखा तीर, सिवनी मालवा।

आगामी वर्षा ऋतु में जलभराव और बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए नगर पालिका ने कमर कस ली है। नर्मदापुरम कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर नगर पालिका प्रशासन ने विशेष सफाई अभियान की शुरुआत कर दी है। इसके तहत शहर के बड़े नाले-नालियों की जेसीबी मशीन से सफाई करवाई जा रही है। अभियान की शुरुआत मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमर सिंह उइके ने फाईल वार्ड, वार्ड नंबर 1 से की। यहां जेसीबी मशीन चलवाकर नालों में वर्षों से जमा कचरा, मिट्टी और गंदगी को हटाया गया। नगर पालिका का मुख्य उद्देश्य बरसात के मौसम में नालों के जाम होने से उत्पन्न होने वाली बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति को रोकना है। सफाई कार्य के दौरान स्वच्छता निरीक्षक डॉ. प्रशांत कुमार शर्मा ने स्थल का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमर सिंह उइके ने

बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार नगर के सभी प्रमुख नालों की सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा, स्वच्छ नाला, सुरक्षित नगर इस संकल्प के साथ हम वर्षा पूर्व सभी नालों को साफ कर देंगे ताकि नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। इसमें जनता का सहयोग भी जरूरी है। लोग नालों में कचरा न डालें। नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने जानकारी दी कि यह विशेष सफाई अभियान शहर के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा, जिससे शहर में बरसात का पानी को भरने से रोका जा सके।

इनका कहना है

बारिश से पहले नालों को चोक होने से बचाना है। इसलिए साफ-सफाई की जा रही है, जिससे बारिश में नागरिक को परेशान ना हों।

अमर सिंह उइके,
मुख्य नपा अधिकारी सिवनी मालवा।

जलभराव और बाढ़ की स्थिति शहर से रोकना है। नागरिकों को स्वच्छ वातावरण देना हमारी परिषद का कर्तव्य है।

रितेश जैन,
नपा अध्यक्ष सिवनी मालवा।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस का संदेश...

● ऐसे समाज का निर्माण करें जहां माहवारी को लेकर कोई शर्म या झिझक न हो

अनोखा तीर, सिवनी मालवा।

पूरे विश्व में माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 मई को विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। इसी उद्देश्य से उमंग स्वास्थ्य केंद्र, सिविल हास्पिटल द्वारा माहवारी स्वच्छता पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई।

बीएमओ डॉ. कांति बाथम के नेतृत्व में वार्ड क्रं 14 की आंगनवाड़ी केंद्र क्रं 1 तथा उमंग स्वास्थ्य केंद्र में किशोरी बालिकाओं व महिलाओं से इस विषय पर चर्चा की गई। किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता ईश्वर विश्नोई ने माहवारी चक्र, स्वच्छता प्रबंधन, समाज में व्याप्त भ्रांतियां व अंधविश्वास पर चर्चा की। पोषण आहार व मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। लेडी हेल्थ विजिटर पूजा नागर ने कहा कि 28 मई 2024 को पहली बार अधिकारिक तौर पर विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस मनाया गया। पहले इस विषय पर बात करना एक बहुत बड़ा सामाजिक संकोच माना जाता था। इस संकोच को दूर करते हुए स्वस्थ और खुशहाल किशोरावस्था की नींव रखना है। इसलिए इस विषय पर शर्म ना करें बल्कि समझ बढ़ाएं और स्वस्थ रहें। ऐसे आयोजनों से माहवारी को लेकर समाज में फैली कुरीतियां, अंधविश्वास और झिझक को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान आंगनवाड़ी सुपरवाइजर चंद्रकला बिंदिया, वार्ड की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, एएनएम का सहयोग रहा।

● ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित 6 आरोपी गिरफ्तार, 2 फरार

शिवम वेयर हाउस चोरी कांड का खुलासा

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

थाना देहात पुलिस ने शिवम वेयर हाउस में हुई गेहूं चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली, मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, नगदी और अन्य सामान सहित करीब 6 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया है। मामले में शामिल दो आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया कि 25 मई 2026 को शांतिनगर निवासी व्यापारी मनीष नवलानी ने थाना देहात में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुलामढ़ी बायपास स्थित उनके शिवम वेयर हाउस के गोदाम नंबर-1 का पीछे का शटर तोड़कर अज्ञात चोर करीब 65 कट्टे गेहूं चोरी कर ले गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने करीब 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कोरी मोहल्ला जुमेराती निवासी शुभम मालवीय को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने अर्पित सिंह

सोलंकी, अरुण मालवीय, विक्रम उर्फ सन्नाटा, राहुल उर्फ लालू कटारिया और सुनील कीर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वारदात से पहले वेयर हाउस की रेकी की गई थी। चोरी किए गए गेहूं को ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर अलग-अलग व्यापारियों को बेच दिया गया और रकम आपस में बांट ली गई। पुलिस ने आरोपियों से 32 हजार 500 रुपए नगद, सोनालिका डीआई 42 आरएक्स ट्रैक्टर-ट्रॉली, एक होंडा लिवो मोटरसाइकिल, पांच मोबाइल फोन और लोहे की रॉड बरामद की है। एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया कि मामले में अभी दो आरोपी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। उन्होंने वेयरहाउस मालिकों, दुकान संचालकों और मकान मालिकों से अपील करते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए अपने प्रतिष्ठानों और घरों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाएं, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके और अपराधियों तक आसानी से पहुंचा जा सके। कार्यवाही में पुलिस ने अर्पित सिंह सोलंकी निवासी रैसलपुर, शुभम मालवीय निवासी जुमेराती, अरुण मालवीय निवासी रैसलपुर, विक्रम उर्फ सन्नाटा निवासी रैसलपुर, राहुल उर्फ लालू कटारिया निवासी रैसलपुर, सुनील कीर निवासी नीमसाड़िया को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सौरभ पाण्डेय, उप निरीक्षक अरविंद बेले, प्रधान आरक्षक मनोज निमोदा, ललित नारे, नवीन दुबे, आरक्षक नर्मदा प्रसाद, जितेंद्र नखे, प्रेमप्रवीण बड़ोदे, सतीराम उइके, महेंद्र सिंह धुर्वे एवं साइबर सेल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सार-समाचार

आयुक्त ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

- **एमजी रोड के कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश**

अनोखा तीर, देवास। गत दिनों निगमायुक्त आयुक्त दलीप कुमार ने शहर में चल रहे विकास कार्यों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क एवं नाला निर्माण कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने सबसे पहले एमजी रोड पर चल रहे निर्माण कार्यों का पैदल भ्रमण किया। उन्होंने सड़क के दोनों ओर हो रहे नाला

निर्माण का निरीक्षण कर उसमें आ रही तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की। मौके पर मौजूद सहायक यंत्री सौरभ त्रिपाठी एवं वार्ड उपयंत्री को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि एमजी रोड पर नाले की शेष खुदाई का कार्य तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा संबंधित ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्षा से पहले संपूर्ण नाले का निर्माण हर हाल में पूरा हो। इसके साथ ही आयुक्त ने जनता बैंक से सुभाष चौक तक इलेक्ट्रिक लाइन एवं सीवरेज लाइन का काम भी शीघ्र पूरा करने को कहा। आयुक्त ने कहा कि वर्षाकाल में एमजी रोड के रहवासियों, व्यापारियों, राहगीरों एवं ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान निगम के तकनीकी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

ध्रुव, प्रह्लाद एवं जड़भरत के चरित्र सुन श्रद्धालु हुए भावविभोर

अनोखा तीर, देवास। औदुंबर ब्राह्मण वरिष्ठ नागरिक मंच के तत्वावधान में महाराष्ट्र समाज, देवास में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर ध्रुव, प्रह्लाद एवं जड़भरत के प्रेरणादायी चरित्रों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा श्रवण कर श्रद्धालु भक्ति एवं आध्यात्मिक भावनाओं से सराबोर हो गए। वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय ने बताया कि तृतीय दिवस पर प्रात:काल मुख्य यजमान महेंद्र दुबे, संजय उपाध्याय, अनिल चौधरी, राजेंद्र शर्मा एवं भारत दुबे ने सपत्निक वैदिक पूजन संपन्न किया। वैदिक अनुष्ठान वैदिक आचार्य पं. मनीष पाठक नगरपुरोहित, आष्टा

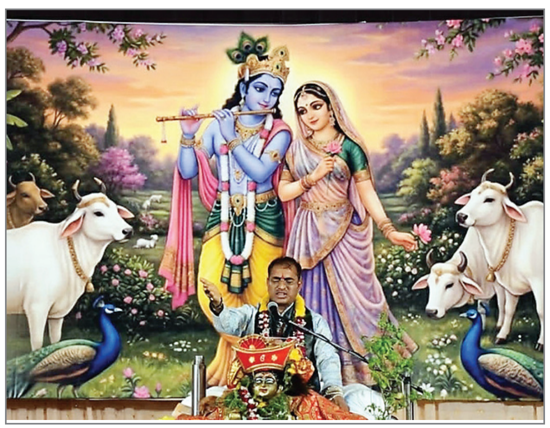

के निर्देशन में विप्रजनों द्वारा संपन्न कराया गया। दोपहर में कथाव्यास नगरपुरोहित पं. डॉ. दीपेश पाठक आष्टा ने श्रद्धालुओं को ध्रुव, प्रह्लाद एवं जड़भरत के चरित्रों का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि ईश्वर के प्रति अटल विश्वास ही सच्ची भक्ति का आधार है। सत्य, श्रद्धा और भक्ति की प्रतिमूर्ति के रूप में उनके जीवन से प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरणा लेनी चाहिए। पं. डॉ. दीपेश पाठक ने कहा कि जो व्यक्ति प्रभु पर अटूट विश्वास रखकर भक्ति करता है, उसे ईश्वर की कृपा अवश्य प्राप्त होती है। भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए भगवान ने नृसिंह अवतार धारण कर हिरण्यकश्यप का संहार किया और अपने भक्त की रक्षा की। यह प्रसंग इस बात का प्रतीक है कि भगवान अपने सच्चे भक्तों का हर संकट में संरक्षण करते हैं। कार्यक्रम के अंत में संयोजक जयन्त शर्मा ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नाथ समाधि के पास माता टेकरी पर फिर आग लगी, 20 मिनट में काबू

अनोखा तीर, देवास। सुप्रसिद्ध माता टेकरी पर गुरुवार दोपहर एक बार फिर आग लगने की घटना सामने आई। यह घटना नाथ समाधि के पास हुई, जिस पर समिति सदस्यों और स्थानीय लोगों ने 15 से 20 मिनट में काबू पा लिया। नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में सहयोग किया। आग अचानक भड़क उठी, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यह उल्लेखनीय है कि

टेकरी पर पहले भी आग लगने की बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें काफी नुकसान हुआ था। हालांकि, इस बार समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर ने बताया कि आग छोटी थी और लगभग 10 से 15 मिनट में उस पर काबू पा लिया गया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि टेकरी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन द्वारा एक योजना तैयार कर ली गई है, जिसे जल्द ही लागू किया जाएगा।

निवारदी में 10 गांवों के 42 युवा बने मास्टर ट्रेनर

समर कैंप के लिए सामग्री किट वितरित

अनोखा तीर, खातेगांव।

ग्राम पंचायत निवारदी में समग्र विकास कार्यक्रम 'समावेश' के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय एमटी (मास्टर ट्रेनर) प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। इस विशेष शिविर में आसपास के 10 गांवों से आए 40 ऊर्जावान युवा एवं युवतियों ने सक्रिय सहभागिता की। ये सभी प्रशिक्षित युवा आगामी 15 दिवसीय समर कैंप में अपने-अपने गांवों में सखी मंच, ग्राम पंचायत एवं शिक्षकों के सहयोग से मास्टर ट्रेनर के रूप में बच्चों के साथ विभिन्न शैक्षणिक, रचनात्मक एवं विज्ञान आधारित गतिविधियों का संचालन करेंगे। शिविर के दौरान विषय विशेषज्ञों ने युवाओं को खेल-खेल में सीखने की अनेक अनूठी विधियां सिखाईं। प्रशिक्षण सत्रों में ओरिगेमी कला विशेषज्ञ शाकिर पठान ने कागज के माध्यम से आकर्षक टोपी, झोला, नाव, घर, बतख और सोफा जैसी आकृतियां बनाना सिखाया। वहीं, विज्ञान में योगेश मालवीया ने बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और

अंधविश्वास दूर करने के उद्देश्य से रंग बदलने वाले रोचक प्रयोग प्रस्तुत किए।

हाथों से रस्सी निकालना, गठान गायब करना तथा बोतल में भूत पकड़ना जैसी मनोरंजक गतिविधियों का प्रदर्शन भी किया। इसी क्रम में आर्ट एंड क्राफ्ट विशेषज्ञ अरिफ ने चूड़ियों से चित्रकला, अनाज के दानों व नाश्ता प्लेट से मुखौटे, झूमर, खरगोश और माला बनाने की कला सिखाई। शिविर में स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। जिसके तहत प्रतिभागियों ने पत्तियों, रंगीन ताव, पत्थरों एवं गेहूं की नरवाई (डंठल) से सुंदर वर्ली पेंटिंग और कलात्मक चित्र तैयार किए। स्ट्रा नली से सीटी, गुब्बारा रॉकेट, भोंपू, टेलीफोन गतिविधि भी कराई गई। ग्राम सरपंच सुभागसिंह ईवने ने इस सराहनीय कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे समर कैंप ग्रामीण बच्चों के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होंगे और बच्चों को नवाचार से जोड़ने के लिए ऐसे प्रयास लगातार होने चाहिए।

युवाओं को किया सम्मानित

कार्यक्रम के अंत में आगामी समर कैंप को गांवों में प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए सभी ट्रेनर्स को उनके गांवों के बच्चों के लिए आवश्यक शैक्षणिक, आर्ट-क्राफ्ट एवं खेल सामग्री की किट वितरित की गई। पत्रकार प्रदीप साहू द्वारा युवाओं को प्रोत्साहित कर खातेगांव के ऐतिहासिकता को जानने के लिए दैनिक पंचांग कैलेंडर प्रदान कर प्रोत्साहित किया। युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया।

जिला अस्पताल में एंबुलेंस दलाली पर बड़ी कार्रवाई

पांच निजी एंबुलेंस संचालकों पर जुर्माना

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। जिला अस्पताल परिसर में निजी एंबुलेंस संचालकों द्वारा मनमाने तरीके से संचालन और मरीजों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराने के नाम पर दलाली किए जाने के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। प्रशासनिक जांच के दौरान अस्पताल परिसर में अवैध रूप से एंबुलेंस खड़ी कर मरीजों को निजी अस्पताल ले जाने का मामला सामने आया, जिसके बाद पांच निजी एंबुलेंस संचालकों पर कार्रवाई करते हुए 17 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर डॉ. बबीता राठौर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रमोद कॉपसे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सृजन सैगर, सिविल सर्जन एवं मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुनीता कामले तथा आरएमओ डॉ. गजेंद्र यादव ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कुछ निजी एंबुलेंस संचालक जिला अस्पताल परिसर में अवैध रूप से वाहन खड़े कर मरीजों को निजी अस्पतालों में ले जाने के लिए दलाली कर रहे थे। जांच में जिला अस्पताल के दो वार्ड बॉय की भी संलिप्तता सामने आई है। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पांच निजी एंबुलेंस संचालकों पर कुल 17 हजार रुपए का चालान किया, जिसकी राशि रेडक्रॉस सोसायटी में जमा कराई गई। साथ ही भविष्य में जिला अस्पताल परिसर में बिना अनुमति वाहन खड़ा करने पर 10 हजार रुपए तक का जुर्माना और एंबुलेंस राजसात करने की चेतावनी भी दी गई है। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मरीजों के उपचार से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की दलाली, अवैध वसूली या मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला अस्पताल परिसर में व्यवस्थाओं को पारदर्शी और मरीज हितैषी बनाए रखने के लिए आगे भी लगातार निगरानी और कार्रवाई जारी रहेगी।

सीवरेज कार्य से खराब सड़कों का सुधार शुरू

- **मानसून से पहले नाले-नालियों की सफाई अभियान भी जारी**

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। शहर में सीवरेज परियोजना के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों और मार्गों के सुधार कार्य की शुरुआत कर दी गई है। जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर पालिका और एमपीयूडीसी द्वारा सड़क सुधार कार्य तेजी से कराया जा रहा है, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर एकता चौक से सराफ चौक मुख्य बाजार क्षेत्र में चल रहे मार्ग सुधार कार्य का निरीक्षण मुख्य नगर पालिका अधिकारी और एमपीयूडीसी के सहायक यंत्री ने किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित एजेंसी को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सीवरेज कार्य के कारण आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से उन सभी सड़कों और मार्गों का सुधार कराया जा रहा है, जहां पाइपलाइन डालने के दौरान सड़कें क्षतिग्रस्त हुई थीं। वहीं आगामी मानसून को देखते हुए नगर पालिका द्वारा बरसाती नालों और नालियों की सफाई का विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। नगर पालिका नर्मदापुरम और सिवनी मालवा क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर नालों की सफाई कराई जा रही है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव, गंदगी और ओवरफ्लो जैसी समस्याओं से लोगों को राहत मिल सके। अधिकारियों का कहना है कि मानसून से पहले शहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है और सभी संबंधित विभागों को समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आज

अनोखा तीर, बैतूल। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता समिति डॉ. सौरभ संजय सोनवणे की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक 29 मई को दोपहर 12.30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खंड कार्यपालन यंत्री ने सभी सदस्यगणों से बैठक में उपस्थिति होने का अनुरोध किया है।

छात्राओं को निःशुल्क मिल रही अग्निवीर व प्रतियोगी परीक्षाओं की ट्रेनिंग

अनोखा तीर, बैतूल। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को आत्मनिर्भर और देशसेवा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से मोरनढाना स्थित ओजस शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में नि:शुल्क आवासीय करियर गाइडेंस एवं शारीरिक प्रशिक्षण शिविर संचालित किया जा रहा है। पिछले 40 दिनों से चल रहे इस शिविर में 22 छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। प्रशिक्षण का समापन 29 मई को किया जाएगा। शिविर में छात्राओं को अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा और फिजिकल टेस्ट की तैयारी कराई जा रही है। इसके साथ ही अंग्रेजी भाषा, गणित, सेल्फ

कॉन्फिडेंस और व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है। संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को प्रतियोगी माहौल उपलब्ध कराकर उन्हें देशसेवा के लिए तैयार करना है। शिविर के संचालन में पूर्व सैन्य अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। संस्थान के संचालक अनिल वर्मा ने बताया कि कर्नल पंकज कुमार आर्थिक सहयोग देकर शिविर संचालन में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं कर्नल राजीव सक्सेना ने छात्राओं के लिए स्कूली फर्नीचर की व्यवस्था के लिए एक लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की है। दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं की आवासीय सुविधा बढ़ाने के लिए कर्नल वीपी त्रिपाठी भवन निर्माण के प्रयास में सहयोग कर रहे हैं। वहीं कर्नल सैफल दत्त ने छात्राओं को राइफल शूटिंग प्रतियोगिता की तैयारी के लिए पीसी होल कंपनी की एथेना एनएक्स-200 राइफल उपलब्ध कराई है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर देवास जिले के तीन पत्रकार होंगे सम्मानित

- **देशभर के 13 चुनिंदा पत्रकारों को भोपाल में मिलेगा हिंदी पत्रकारिता शिरोमणि सम्मान 2026**

अनोखा तर, देवास।

हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों को दिए जाने वाले प्रतिष्ठित हिंदी पत्रकारिता शिरोमणि सम्मान 2026 के लिए देशभर से 13 पत्रकारों का चयन किया गया है। इस गौरवपूर्ण सूची में देवास जिले के तीन पत्रकारों का नाम शामिल होने से जिले में हर्ष का माहौल है। देवास जिले के बागली से प्रवीण चौधरी तथा सोनकच्छ क्षेत्र के पीपलरावा से सलीम पठान को हिंदी पत्रकारिता शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। वहीं आजीवन

अधिमान्य पत्रकार मुन्ना वारसी को पत्रकारिता क्षेत्र में लंबे समय से दिए गए योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट द्वारा भोपाल में आयोजित समारोह में दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सैयद खालिद कैस की अध्यक्षता में गठित चयन समिति ने देशभर से उत्कृष्ट पत्रकारिता करने वाले 13 पत्रकारों का चयन किया है। चयनित पत्रकारों को जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने, निष्पक्ष पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों के प्रति सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। सम्मानित होने वाले पत्रकारों में उमा शंकर पांडेय चिरमिरी, छत्तीसगढ़, सुनील वर्मा अकोदिया, चैतन्य कुमार मीणा सीकर राजस्थान, फैज मोहम्मद कोरबा छत्तीसगढ़, पं. दुष्यंत पंचोली राजगढ़, मुईन अख्तर खान हरदा, अरुण कंठालिया चित्तौड़गढ़, नईम मामू एवं मोहन प्रजापति बैतूल, प्रवीण चौधरी देवास, सलीम पठान देवास, सईद आलम इंदौर तथा कृष्णानंद शास्त्री भोपाल के नाम शामिल हैं। उक्त सम्मान समारोह आगामी 30 मई को हिंदी भवन, भोपाल में आयोजित किया जाएगा, जहां देशभर से चयनित पत्रकारों का सम्मान कर उनके योगदान को सराहा जाएगा। इस उपलब्धि पर सलीम मंसूरी, नूर मोहम्मद शेख, रविंद्र परमार, मोतीलाल गोयल, इकबाल शेख एवं आर्य भूषण शर्मा सहित अनेक पत्रकारों और शुभचिंतकों ने सम्मानित होने वाले पत्रकारों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

मजदूरों से वसूली गई इलाज की राशि लौटाई, प्रशासन की सख्त कार्रवाई

- तेंदूपत्ता तोड़ने जाते समय हादसे में घायल हुए थे मजदूर

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। जिला प्रशासन ने मजदूरों से इलाज के नाम पर वसूली गई राशि वापस कराकर सख्त कार्रवाई का संदेश दिया है। सड़क हादसे में घायल हुए तेंदूपत्ता मजदूरों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर निजी अस्पताल द्वारा इलाज के दौरान राशि वसूले जाने की शिकायत की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी स्वास्थ्य डॉ. बबीता राठौर अनंता अस्पताल पहुंचीं और अस्पताल प्रबंधन से चर्चा कर मजदूरों से जमा कराई गई राशि वापस कराई। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद छह मजदूरों को करीब 60 हजार रुपए लौटाए गए। साथ ही सभी घायलों का उपचार पीएम राहत योजना के तहत कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। पीड़ित मजदूरों ने बताया कि वे तेंदूपत्ता तोड़ने के कार्य के लिए जा रहे थे, तभी सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। इसके बाद किसी व्यक्ति की सलाह पर उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के नाम पर उनसे राशि जमा कराई गई थी। डॉ. बबीता राठौर ने अस्पताल प्रबंधन से समन्वय कर उपचार प्रक्रिया और शुल्क वसूली की जानकारी ली तथा मजदूरों को राशि वापस दिलाई। कार्रवाई के बाद मजदूरों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। जानकारी के अनुसार प्रमोद सेन को 9 हजार 300 रुपए, हीरा लोधी को 9 हजार 200 रुपए, सुशांत लोधी को 6 हजार 650 रुपए, मेघराज को 5 हजार रुपए, रघुवीर लोधी को 20 हजार रुपए तथा रामाजा सेन को 7 हजार रुपए वापस कराए गए।

सेवानिवृत्त इंजीनियर की संविदा नियुक्ति का विरोध, आयुक्त को सौंपा आवेदन

युवा प्रतिभाओं को अवसर देने और संविदा नियुक्ति निरस्त करने की मांग

अनोखा तीर, देवास।

नगर निगम देवास में आगामी जून माह में सेवानिवृत्त होने जा रहे इंजीनियर मुंशैयाद हाफी को पुनः दो वर्ष की संविदा नियुक्ति दिए जाने की संभावित तैयारी का विरोध शुरू हो गया है। हिन्दू जागरण मंच के विनोद पाठक एवं जागरूक नागरिकों ने नगर निगम आयुक्त को आवेदन सौंपकर प्रस्तावित संविदा नियुक्ति को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर निगम को वर्तमान समय में नई तकनीकों से परिचित, ऊर्जावान एवं युवा इंजीनियरों की आवश्यकता है। सेवानिवृत्ति के बाद किसी अधिकारी को पुनः संविदा पर रखने से नई प्रतिभाओं को अवसर मिलने में बाधा उत्पन्न होती है तथा विभागीय कर्मचारियों के मनोबल पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित इंजीनियर बढ़ती उम्र के कारण शारीरिक रूप से पूर्णतः सक्षम नहीं हैं और दृष्टि संबंधी समस्याओं के चलते फील्ड निरीक्षण एवं तकनीकी कार्यों के प्रभावी निष्पादन में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में उनकी संविदा नियुक्ति निगम के हित में नहीं होगी।

आवेदकों ने निगम पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ का मुद्दा भी उठाते हुए कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन एवं अन्य लाभ प्राप्त होते हैं, इसलिए उन्हें पुनः संविदा वेतन पर नियुक्त करना राजस्व पर अनावश्यक भार डालने जैसा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि बार-बार सेवानिवृत्त अधिकारियों को संविदा पर रखने से विभागीय पदोन्नति की संभावनाएं प्रभावित होती हैं और अन्य योग्य कर्मचारियों में असंतोष की भावना पैदा होती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। **प्रधान संपादक** सुरेश लोहाना / **संपादक** प्रहलाद शर्मा / **प्रबंध संपादक** महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। **सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।**

सार-समाचार

रुपए नहीं देने पर युवक पर जानलेवा हमला

- **बीयर बोतल और पत्थर से सिर फोड़ा, गंभीर हालत में भोपाल रेफर**

अनोखा तीर, हरदा। हरदा में अड़ीबाजी के एक मामले में आरोपी इमरान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी ने बुधवार शाम एक युवक पर बियर की बोतल से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल युवक को उपचार के लिए भोपाल रेफर किया गया है। यह घटना बुधवार शाम करीब 7.30 बजे सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई। अजाक्स थाना

टीआई सुरेश कालभोर ने बताया कि आरोपी इमरान ने वीरेंद्र ढोके नामक युवक से रुपए मांगने को लेकर अड़ीबाजी की थी। जब वीरेंद्र ने रुपए देने से इनकार किया, तो इमरान ने उसके सिर पर बीयर की बोतल और पत्थर से हमला कर दिया। हमले में वीरेंद्र ढोके गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए भोपाल रेफर कर दिया। आरोपी इमरान, जो छीपानेर बड़ी नहर के पास हृदय नगर कॉलोनी का निवासी है, के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने उसे गुरुवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

नहर में डूबने से युवक की मौत

अनोखा तीर, हरदा। हरदा जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र की बड़ी नहर में डूबने से 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना गुरुवार दोपहर करीब सवा बारह बजे ग्राम पोखरनी के पास हुई। युवक के दो साथियों को मौके पर मौजूद हार्वेस्टर चालकों ने बचा लिया। मृतक की पहचान टिमरनी के वार्ड नंबर दो निवासी विशाल पिता नाथूराम बारिया के रूप में हुई है। विशाल

अपने दो साथियों राहुल तुमराम और दुर्गेश सातनकर के साथ सुबह ग्राम नौसर में मकान की छत पर लोहा बांधने का काम करने गए थे। काम से लौटते समय तीनों दोस्त ग्राम पोखरनी के पास से निकली बड़ी नहर में नहाने उतरे। नहाते समय तीनों युवक तेज बहाव में बहने लगे। इस दौरान वहां मौजूद पंजाब के हार्वेस्टर चालकों ने राहुल तुमराम और दुर्गेश सातनकर को डूबने से बचा लिया। हालांकि, विशाल तेज बहाव में आगे बह गया और उसकी डूबने से मौत हो गई। एसडीईआरएफ के जवानों ने करनाना छोटी माइनर से विशाल के शव को पानी से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए टिमरनी अस्पताल भिजवाया। बचाए गए राहुल तुमराम और दुर्गेश सातनकर को प्राथमिक उपचार के बाद घर पहुंचा दिया गया। जानकारी के अनुसार, मृतक विशाल चार भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटा था। उसके पिता नहर विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं।

अंग्रेजों से ज्यादा हिटलरशाही हो गया जिला प्रशासन : मोहन सांई

किसानों को दिए गए समन वापस लेने की मांग, आंदोलन की चेतावनी

अनोखा तीर, हरदा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई ने जिला प्रशासन पर किसानों के साथ तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों को गेहूं का एक-एक दाना खरीदने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन हरदा जिले में करीब 10 हजार किसान

अपनी उपज बेचने से वंचित रह गए। उन्होंने कहा कि किसान 10-10 दिन तक खरीदी केंद्रों पर ट्रालियां खड़ी कर रतजगा करते रहे, लेकिन प्रशासन ने उनकी कोई सुध नहीं ली। सरकार ने 9 मई को स्लॉट बुकिंग बंद कर दी, जिसके बाद परेशान किसान अपनी ट्रालियां लेकर जनसुनवाई में पहुंचे थे। मोहन सांई ने आरोप लगाया कि जनसुनवाई आम जनता, गरीबों और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए शुरू की गई थी, लेकिन यहां किसानों को समन जारी कर 29 मई को तहसील कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। साथ ही अनुपस्थित रहने पर गिरफ्तारी वारंट जारी करने की चेतावनी भी दी गई है। उन्होंने कहा कि जब जिला कलेक्टर से चर्चा के बाद किसानों ने अपना धरना स्थगित कर दिया था, तब इस प्रकार के समन जारी करने की आवश्यकता नहीं थी। जिला कांग्रेस ने प्रशासन से तत्काल किसानों को जारी किए गए समन वापस लेने की मांग की है। मोहन सांई ने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है, कोई चोर नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों को दिए गए समन वापस नहीं लिए गए तो कांग्रेस आंदोलन करेगी और कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

जिला स्तरीय पशुपालक जागरुकता कार्यशाला आज

-आधुनिक चारा उत्पादन और 'गौरस एप' की मिलेगी जानकारी

अनोखा तीर, हरदा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरदा द्वारा दुग्ध उत्पादकों और पशुपालकों की आय बढ़ाने तथा उन्हें आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए जिला स्तरीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 29 मई 2026 को दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक इंदौर रोड स्थित एल.बी.एस. कॉलेज, हरदा में आयोजित होगी। उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग डॉ. अजय रामटेके ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले के पशुपालकों को पशु आहार के रूप में साईलेज के उपयोग के प्रति जागरूक करना है। इसके साथ ही विशेषज्ञों द्वारा चारा उत्पादन की आधुनिक तकनीकों, साईलेज ई-मार्केट प्लेटफॉर्म तथा शासन के 'गौरस एप' की उपयोगिता की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि, कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष, दुग्ध सहकारी समितियों के पदाधिकारी और पशुपालन क्षेत्र से जुड़े हितधारक शामिल होंगे।

जगह-जगह अता हुई ईद की नमाज, शहर में दिखा शांति-सद्भावना का संदेश

अमन-चैन और खुशहाली के लिए मांगी गई दुआएं

अनोखा तीर, हरदा।

ईद-उल-अजहा का त्योहार हरदा में शांति और सद्भावना के साथ मनाया गया। शहर की ईदगाह सहित मोहम्मदी मस्जिद, कब्रिस्तान नियाजी मस्जिद, नूरी मस्जिद, सब्जी मंडी मस्जिद, पचकोड़ी मस्जिद, अन्नापुरा मस्जिद, उड़ा मस्जिद, हुसैनी मस्जिद, फाइल मस्जिद, फरहत सराय एवं डबल फाटक मस्जिद में ईद-उल-अजहा की विशेष नमाज अदा की गई। नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय ने देश में अमन-शांति, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआएं मांगीं। ईदगाह मैदान एवं मस्जिदों के आसपास हरदा सीरत कमेटी, जिला मुस्लिम विकास परिषद, जिला वक्फ बोर्ड, विश्व मुस्लिम बोर्ड और हरदा मुस्लिम समाज संगठन सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं अन्य धर्मों के लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार पैगंबर हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने अल्लाह की इबादत में खुद को समर्पित कर दिया था। अल्लाह ने उनकी परीक्षा लेने के लिए उनसे सबसे प्रिय चीज की कुर्बानी मांगी थी। तब उन्होंने अपने बेटे हजरत इस्माइल की कुर्बानी देने का इरादा किया, लेकिन अल्लाह ने हजरत इस्माइल की जगह एक दुम्बे की कुर्बानी कबूल की। तभी से मुसलमानों में बकरीद पर कुर्बानी देने की परंपरा चली आ रही है। ईद-उल-अजहा के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा मस्जिदों और ईदगाह के आसपास सुरक्षा एवं साफ-सफाई के विशेष इंतजाम किए गए थे। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन एवं पुलिस अधीक्षक शशांक के निर्देश पर पुलिस बल तैनात रहा। वहीं नगर पालिका द्वारा ईदगाह और मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया गया। शहर में कुर्बानी का कार्य शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ और पूरे दिन इंसानियत, भाईचारे और सौहार्द का संदेश गूंजता रहा।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और वामन अवतार प्रसंग का वर्णन

- **श्रद्धालुओं ने भजनों के साथ मनाया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव**

अनोखा तीर, मसनगांव। पुरुषोत्तम मास के अवसर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, समुद्र मंथन और राजा बलि के प्रसंगों का भावपूर्ण श्रवण किया। कथा व्यास पंडित ओमप्रकाश शर्मा ने विभिन्न प्रसंगों का विस्तार से वर्णन करते हुए धर्म, भक्ति और त्याग का संदेश दिया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर भजनों और जयकारों से भक्तिमय हो उठा।

श्रद्धालुओं ने नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की जैसे भजनों पर झूमते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशियां मनाईं। पंडित शर्मा ने समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि जब देवताओं और दानवों ने मिलकर क्षीरसागर का मंथन किया, तब उसमें से माता लक्ष्मी प्रकट हुईं। उन्होंने कहा कि माता लक्ष्मी वहीं निवास करती हैं, जहां भगवान नारायण की भक्ति, धर्म और सदाचार होता है। केवल धन-संपत्ति होने से लक्ष्मी की स्थायी कृपा नहीं मिलती, बल्कि भगवान के प्रति श्रद्धा और सेवा भाव आवश्यक है। कथा में राजा बलि और भगवान वामन अवतार का प्रसंग सुनाते हुए बताया गया कि राजा बलि अत्यंत दानी और धर्मपरायण राजा थे। भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण कर उनसे तीन पग भूमि दान में मांगी। राजा बलि ने वचन निभाते हुए अपना सर्वस्व भगवान को समर्पित कर दिया। भगवान ने एक पग में पृथ्वी और दूसरे में आकाश नाप लिया। तीसरे पग के लिए स्थान पूछने पर राजा बलि ने अपना सिर अर्पित कर दिया। राजा बलि की भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक का राजा बनाया और स्वयं चार माह तक उनके यहां निवास करने का वरदान दिया।

34 घंटे धरना देने वाले 10 किसानों को समन जारी

-पेशी में उपस्थित नहीं होने पर गिरफ्तारी वारंट की चेतावनी

अनोखा तीर, हरदा।

जिला पंचायत परिसर में 34 घंटे तक धरना देने वाले 10 किसानों को तहसीलदार कोर्ट द्वारा समन जारी किए गए हैं। सभी किसानों को 29 मई को सुबह 10 बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि तय समय पर उपस्थित नहीं होने की स्थिति में गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाएगा। प्रशासन ने प्रदर्शन को लोक व्यवस्था भंग करने और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाला कृत्य माना है। मामला मंगलवार को जिला पंचायत भवन में हुए किसानों के प्रदर्शन से जुड़ा है। ग्राम अबगांवकलां के किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में गेहूं भरकर जिला पंचायत पहुंचे थे। किसानों का आरोप था कि जिले के करीब 9 हजार किसानों का स्लॉट बुक नहीं हो पाया, जिसके कारण वे समर्थन मूल्य पर अपना गेहूं नहीं बेच पा रहे हैं। इसी के विरोध में किसानों ने जिला पंचायत के मुख्य गेट पर धरना दिया और प्रशासन व मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की।

कलेक्टर के आश्वासन के बाद स्थगित हुआ धरना- बुधवार सुबह जिला पंचायत की महिला कर्मचारियों एवं अन्य लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के कारण पार्किंग और आवागमन में हो रही परेशानी की शिकायत की थी। इसके बाद सिटी और सिविल लाइन थाना प्रभारी करीब 50 पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। दिनभर तहसीलदार, एसडीएम, एएसपी और संयुक्त कलेक्टर किसानों को समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन देर शाम तक समाधान नहीं निकल सका। बाद में कलेक्टर सिद्धार्थ जैन से चर्चा के बाद किसानों ने धरना स्थगित कर दिया।

नेताओं ने भी दिया था समर्थन

किसानों के प्रदर्शन को पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल के छोटे भाई रामशंकर पटेल, पूर्व नपाध्यक्ष हेमंत टाले और जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई का समर्थन मिला था। राजनीतिक समर्थन मिलने के बाद मामला भोपाल तक पहुंच गया था। हालांकि रामशंकर पटेल धरना स्थल पर करीब एक घंटे रुकने के बाद लौट गए थे। महासंघ के रामजीवन बाष्ट ने बताया कि ईद अवकाश के कारण गुरुवार को कोई कदम नहीं उठाया गया। अब 29 मई को किसानों की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी ताकि समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने से वंचित किसानों को लाभ मिल सके।

हरदा जीआरपी की बड़ी सफलता, बिछड़ी दो मासूम बेटियों को मां से मिलाया

-तत्परता और सूझबूझ से सुरक्षित मिला बच्चों का परिवार

अनोखा तीर, हरदा।

हरदा जीआरपी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो लापता मासूम बच्चियों को उनकी मां से मिलाकर सराहनीय कार्य किया है। जानकारी के अनुसार एक महिला अपनी दो नाबालिग बेटियों अर्पिता 11 वर्ष और आऋषि 6 वर्ष के साथ मुंबई से भोपाल यात्रा कर रही थी। पारिवारिक विवाद के चलते महिला हरदा स्टेशन पर उतर गई थी।

बताया गया कि सुबह महिला शौच के लिए गई थी, उस दौरान दोनों बच्चियां सो रही थीं। वापस लौटने पर बच्चियां गायब मिलीं। सूचना मिलते ही जीआरपी हरदा ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और आरपीएफ की मदद से स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। जांच के दौरान कंट्रोल रूम के माध्यम से जानकारी मिली कि खंडवा जिले की आशापुर चौकी क्षेत्र में मंदिर के पास दो बच्चियां मिली हैं। डीएसपी रेल इटारसी महेंद्र सिंह कुल्हारा के निर्देशन एवं थाना प्रभारी संजय चौकसे के मार्गदर्शन में जीआरपी हरदा ने तुरंत आशापुर चौकी से संपर्क किया। बच्चियों की फोटो मां को दिखाई गई, जिसकी उसने पुष्टि की। इसके बाद वीडियो कॉल के माध्यम से मां और बेटियों की बात कराई गई तथा जनता एक्सप्रेस से दोनों बच्चियों को उनकी मां से मिलवाया गया। मां और बेटियों के मिलन का भावुक दृश्य देखकर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। इस सराहनीय कार्य में प्रधान आरक्षक तुलसीराम यादव, आरक्षक जितेंद्र कुचबंदिया, आरक्षक अनिरुद्ध सिंह चौहान, आरपीएफ हरदा एवं आशापुर चौकी स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जमीन विवाद में महिला की पीट-पीटकर हत्या

अनोखा तीर, हरदा।

हरदा जिले के हंडिया थाना क्षेत्र के ग्राम डुमलाय में गुरुवार सुबह एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 40 वर्षीय नीता पति जगदीश जादम के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। हंडिया पुलिस के एसआई जितेंद्र वैष्णव ने बताया कि डुमलाय निवासी सुंदरलाल गुर्जर और उनके बेटे कपिल गुर्जर ने गुरुवार सुबह करीब आठ बजे अपनी विधवा भाभी नीता और उनकी बेटी रानी पर कबेलू हटाने को लेकर विवाद किया। इस दौरान बाप-बेटे ने लाठियों और पत्थर से हमला कर दिया। हमले में नीता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी रानी गंभीर रूप से घायल हो गईं। रानी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- **लंबे समय से चल रहा जमीन विवाद-** एसडीओपी शालिनी परस्ते ने जानकारी दी कि मृतका और आरोपी पक्ष के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस ने हत्या के आरोपी देवर सुंदरलाल को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके बेटे कपिल की तलाश जारी है। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया है। जिला अस्पताल में भर्ती मृतका की बेटी रानी ने बताया कि वह कॉमर्स संकाय की बारहवीं कक्षा की छात्रा है। दो साल पहले पिता की मौत के बाद से पड़ोसी चाचा और उनके परिवार के लोग उन्हें अकेला देखकर अक्सर विवाद करते थे। रानी ने बताया कि उनके परिवार में केवल मां और वह ही थीं। मां का अंतिम संस्कार नाना-नानी के आने के बाद ही होगा, जो खंडवा जिले के ग्राम मूंदी में रहते हैं।

-जाम्भाणी संस्कार शिविर में योग, संस्कार और नशा मुक्ति पर दी गई जानकारी

बच्चों ने 29 नियमों की व्याख्या समझी, जीवन में अपनाने का लिया संकल्प

अनोखा तीर, हरदा।

जाम्भाणी साहित्य अकादमी बीकानेर के तत्वावधान में श्रीविश्नोई संत आश्रम नेमावर में पांच दिवसीय जाम्भाणी संस्कार शिविर संचालित किया जा रहा है। शिविर के चौथे दिवस में शिविरार्थी किशोर बालकों ने जीवन उपयोगी महत्वपूर्ण बातें सीखीं। शिविर शिक्षक अमृतलाल पूनिया ने योग अभ्यास कराते हुए योग और प्राणायाम का जीवन में महत्व बताया। राजस्थान से आए जाम्भाणी साहित्य अकादमी के प्रतिनिधि हरिराम खीचड़ ने विश्नोई पंथ के लिए उल्लेखित 29 नियमों में से 21 से 29 तक के नियमों की व्याख्या कर बच्चों को समझाया तथा उन्हें जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। बच्चों ने भी इन नियमों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। उमंग स्वास्थ्य केंद्र के परामर्शदाता एवं सामाजिक कार्यकर्ता ईश्वर विश्नोई ने किशोर बच्चों को किशोरावस्था में होने वाले परिवर्तन, पोषण आहार, मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही उमंग हेल्पलाइन और टेली मानस हेल्पलाइन नंबर की जानकारी भी साझा की। नेमीचंद बेनीवाल ने जाम्भाणी साहित्य के संदेश और गुरु जंभेश्वर भगवान के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए उनके उपदेशों की जानकारी दी।

शिविर संयोजक स्वामी आत्मानंद महाराज के मार्गदर्शन में शिविर प्रभारी कैलाश गोदारा, सह प्रभारी उमेश बेनीवाल, संगठन सचिव पूनमचंद पवार, कैलाश आंजना, दिनेश सारन, मनमोहन पवार, राजेंद्र भादू, रामसुख बेनीवाल, डॉ. इन्द्रपाल जाणी, पूनमचंद जाणी, किशन खिलेरी, अधिवक्ता आरडी झूरिया एवं विनोद गोदारा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आज होगा समापन अकादमी सचिव पूनमचंद पवार ने बताया कि जाम्भाणी संस्कार शिविर का समापन शुक्रवार को होगा। मां नर्मदा के सिद्धक्षेत्र स्थित श्रीविश्नोई संत आश्रम में आयोजित इस शिविर में बच्चों ने पूरे मन से संस्कार, योग और समाजसेवा की भावना जागृत करने का अभ्यास किया। बच्चों ने अनुशासन के साथ शिविर की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समापन अवसर पर परीक्षा परिणाम घोषित कर विजेता बच्चों का उत्साहवर्धन किया जाएगा।